राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 277 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 30 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

'चीन के साथ हमारा एक मुद्दा, समाधान हम दोनों को ही निकालना है'- विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। टोक्यों में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समस्या है या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को जिक्र करते हुए कहा कि जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की

प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों को जल्द मिलेगा आवास

छत्तीसगढ़ में आवास व सड़कों के लंबित कार्य जल्द होंगे पूरे

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और पीड़ित परिवारों के पुनर्वास पर जोर

उन्नत तकनीक और बीजों की उपलब्धता से मिलेट फसलों का बढ़ेगा उत्पादन

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली के कृषि भवन में कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के कृषि और ग्रामीण विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों के आवास का मुद्दा भी रखा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी साथ थे। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 15.18 लाख परिवारों को अभी तक आवास की स्वीकृति नहीं मिली है। इसमें 6.99 लाख परिवार योजना के स्थायी प्रतीक्षा सूची में हैं और 8.19 लाख परिवार आवास प्लस में शामिल हैं। पूर्व में योजना के लिए राज्य का हिस्सा नहीं मिलने के कारण यह समस्या बनी रही। मुख्यमंत्री ने जल्द आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने इस पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की बात कही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना-2011 एवं आवास प्लस 2018 की सूची में अनेक पात्र परिवारों का नाम शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने 10,500 नए पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल करने का अनुरोध किया और साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पंचायतों को आवास निर्माण की स्वीकृति देने की मांग की।

नगद भुगतान की अनुमति देने की मांग

मुख्यमंत्री ने मनरेगा योजना के तहत आधार आधारित भुगतान प्रणाली में 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का आग्रह किया, ताकि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के श्रमिकों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होने कहा दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी और अन्य समस्याएं हैं, जिससे आधार आधारित भुगतान में कठिनाई आ रही है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में जब तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध ना हो तब तक नगद भुगतान की अनुमति देने की मांग की। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी सुधार की आवश्यकता जताई, जहां कई बसाहटें बारहमासी सड़कों से जुड़ी नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में छूटे हुए आदिवासी क्षेत्रों को शामिल करने और पुरानी सड़कों के उन्नयन की मांग की।

दिल्ली कोचिंग हादसा- 1 इंजीनियर टर्मिनेट, 1 सस्पेंड, 7 गिरफ्तार

एक महीने पहले कोचिंग की शिकायत की गई, 2 रिमाइंडर भी दिए पर एक्शन नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के राउ ड्स कोचिंग सेंटर के बेसमेंट हादसे मामले में म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (स्ष्ठ) ने सोमवार को एक्शन लिया। एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त और एक असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया।

ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित इस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में शनिवार को बारिश के पानी में डूबकर 3 छात्रों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले को लेकर आज सोमवार को 5 और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस तरह अब तक कुल 7 लोग अरेस्ट हो चुके हैं। तीस हजारी कोर्ट ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें लिखा गया कि हादसे से एक महीने पहले यानी 26 जून को ही इस बारे में स्ष्ठ से शिकायत की गई थी, जिस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद 2 रिमाइंडर भी दिए गए। बावजूद स्ष्ठ ने कार्रवाई नहीं की।

आप मुख्यालय के पास भाजपा ने प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि एमसीडी में आप का बहुमत है। मेयर भी आप का ही है। यह घटना एमसीडी की लापरवाही के कारण हुई। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने वॉटर कैनन चलाई। इधर, आप कार्यकर्ताओं ने एलजी सचिवालय के बाहर भाजपा और एमसीडी कमिश्नर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा- एमसीडी कमिश्नर की नियुक्ति गृह मंत्रालय करता है।

महाभारत के चक्रव्यूह की चर्चा, अडाणी-अंबानी पर हंगामा, निर्मला ने सिर पकड़ा

संसद में राहुल गांधी का 46 मिनट का भाषण

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में बजट पर भाषण के दौरान राहुल गांधी ने हलवा सेरेमनी की फोटो दिखाई तो वित्त मंत्री ने सिर पकड़ लिया।

संसद सत्र के छठे दिन सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की। राहुल ने कहा- हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है।

21वीं सदी में एक नया 'चक्रव्यूह' रचा गया है- वो भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिह्न प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है। आज चक्रव्यूह के बीच में 6 लोग हैं। ये 6 लोग- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोभाल, अडाणी और अंबानी हैं।

राहुल ने अंबानी-अडाणी का नाम लिया तो स्पीकर ने कहा कि जो लोग सदन के सदस्य नहीं है, उनका नाम न लें। इसके बाद राहुल ने मुंह पर हाथ रख लिया।

राहुल ने कहा- किसान आपसे एमएसपी की लीगल गारंटी की मांग कर रहे हैं। आपने उनको बॉर्डर पर रोक रखा है। किसान मुझसे मिलने यहां आना चाहते थे। आपने उनको यहां आने नहीं दिया, आपने किसानों के लिए क्या किया, तीन काले कानून लाए। इस पर स्पीकर ने कहा कि सदन में गलत ना बोलें।

जिनके पास देश का बिजनेस, उन पर बोलने से रोकना मंजूर नहीं

कांग्रेस सांसद बोले- ये जो दो लोग (अंबानी-अडाणी) हैं, ये हिंदुस्तान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और बिजनेस को कंट्रोल करते हैं। इनके पास एयरपोर्ट्स हैं, टेलिकॉम हैं, अब रेलवे में जा रहे हैं। इनके पास हिंदुस्तान के धन की मोनोपॉली है। अगर आप कहो कि इनके बारे में नहीं बोल सकते तो ये हमें स्वीकार नहीं है। हमें तो बोलना है।

कोचिंग हादसा दुखद घटना, सवाल है कि इसका जिम्मेदार कौन-अखिलेश

कोचिंग हादसे पर सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा, यह एक दर्दनाक घटना है। योजना बनाना और एनओसी देना अधिकारियों की जिम्मेदारी है, सवाल यह है कि कौन जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह अवैध निर्माण का सिर्फ एक मामला नहीं है, हम यूपी में देख रहे हैं कि अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, क्या यह सरकार यहां बुलडोजर चलाएगी या नहीं?

डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने कहा- बजट सत्र शुरू हो चुका है। वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश किया। जहां तक तमिलनाडु का सवाल है, हम इस बात से दुखी हैं कि हमें पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। बजट में यह घोषणा की गई है कि बाढ़ से प्रभावित होने वाले कुछ राज्यों - जैसे बिहार और झारखंड - को कुछ मुआवजा दिया जा सकता है। जबकि तमिलनाडु पहले से ही बाढ़ और चक्रवात से प्रभावित है और हमने 37,000 करोड़ रुपये की राहत देने का अनुरोध किया था।

सोपोर में रहस्यमयी विस्फोट, चार लोगों की मौत, पुलिस कर रही जांच

जम्मू(एजेंसी)। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सोमवार दोपहर को रहस्यमयी विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शायर कॉलोनी सोपोर में एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बाद में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया।

गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया, हालांकि अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान शायर कॉलोनी निवासी नजीर अहमद नदरु, शायर कॉलोनी निवासी आजम अशरफमीर और आदिल राशिद भट के रूप में की गई है। अन्य व्यक्ति की पहचान की जा रही है। इस बीच पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

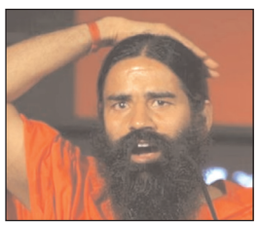

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- रामदेव कोरोनिल का दावा वापस लें:योग गुरु ने इसे कोविड की दवा बताया था; डॉक्टर्स एसोसिएशन की याचिका पर फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। डॉक्टरों की एसोसिएशन ने 2021 में बाबा रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ यह याचिका दाखिल की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव को आदेश दिया है कि वे पतंजलि आयुर्वेद की कोरोनिल टैबलेट को कोविड की दवा बताने का दावा 3 दिन के अंदर वापस लें। हाईकोर्ट ने सोमवार (29 जुलाई) को पतंजलि और बाबा रामदेव के खिलाफ डॉक्टरों की कई एसोसिएशन की तरफ से दाखिल याचिका पर यह आदेश दिया। जस्टिस अनूप भंभानी की बेंच ने कहा कि रामदेव वह टिप्पणी वापस लें, जिसमें उन्होंने कहा है कि कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं, बल्कि कोविड-19 ठीक करने की दवा है। बाबा रामदेव और उनके प्रमोटरों को 3 दिनों में इससे जुड़े ट्वीट हटाने होंगे। अगर वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो सोशल मीडिया मीडिएटर इन ट्वीट्स को हटा देंगे। कोरोना महामारी के दौरान बाबा रामदेव ने कहा थाकि पतंजलि आयुर्वेद की कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं, बल्कि कोविड-19 ठीक करने की दवा है। इसके खिलाफ डॉक्टरों की एसोसिएशन ने 2021 में रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ याचिका दाखिल की थी।

याचिका में डॉक्टरों ने पतंजलि के दावे के संबंध में अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कोरोनिल से जुड़े बयानों को हटाने की मांग की थी। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

डॉक्टरों ने अपनी याचिका में कहा था कि रामदेव ने कोरोनिल को कोविड की दवा बताते हुए कई भ्रामक दावे किए थे। जबकि उन्हें कोरोनिल के लिए सिर्फ इम्यूनो-बूस्टर होने का लाइसेंस मिला था।

संक्षिप्त समाचार

बासी खादय पदार्थ विनिष्टिकरण, बेचने वालो पर 3900 रूपये का चालान काटा

भिलाईनगर। सोमवार को फिर नगर निगम भिलााई के जोन 1 नेहरू नगर अंतर्गत जलजनित मौसमी बीमारी की रोकथाम हेतु अभियान चलाया गया। जिसमें वार्ड क्रं. 17 आकाश गंगा दक्षिण, गंगोत्री क्षेत्र में साफ-सफाई को लेकर प्रतिष्ठानो में जाकर जॉच किये। होटल एवं आईस क्रीमपार्लर में निरीक्षण के दौरान खादय पदार्थ एवं साफ-सफाई सही नहीं पाए जाने पर कार्यवाही की गई। जिसमें मित्तल बिरयानी, नोवेल्टी कुल्फी, आइसक्रीम पार्लर, रॉयल राजस्थानी रेस्टोरेंट, बुडहन खोवा जलेबी, सलोनी स्वीट्स में निरीक्षण के दौरान खादय पदार्थ बासी पाया गया। बासी व बदबूदार खादय पदार्थो को जप्ती बनाकर उसे जमीन में गाड़कर ब्लीचिंग डालकर विनिष्टिकरण किया गया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक पाये जाने पर इन प्रतिष्ठानो से 3900 की चालानी कार्यवाही भी किया गया। कार्यवाही के दौरान उन्हे समझाईस भी दिया गया कि दोबारा बासी खादय पदार्थ बेचते हुए पाये जाने पर उनका गुमशता एवं ट्रेड लाईसेंस कैंसल कर दिया जायेगा। स्वच्छता का ध्यान रखें व सिंगल यूज प्लास्टिक का विक्रय न करे अन्यथा जुर्माना की राशि दोबारा भी काटी जायेगी। नगर निगम भिलाई आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने लोगो से अपील की है कि बरसात के दिनो में बाहर खाते समय अपनी सेहत का ध्यान रखें। फूड पाउजनिग, डायरिया, पीलिया आदि बीमारियां दुषित खादय पदार्थ खाने से हो सकती है, सावधान रहे। ताजा एवं शुद्व खादय पदार्थ का ही सेवन करे। खाने से पहले हाथो को अच्छे से अवश्य धो लेवें। जहां खाने जाये उस जगह पर साफ-सफाई हो इसका पुरा ध्यान रखा जायें। जिससे मौसमी बीमारियो से अपने आप को बचाया जा सके। कार्यवाही के दौरान स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, लिपिक संतोष हरमुख, वार्ड सुपरवाईजर कर्मचारियो के साथ उपस्थित रहे।

संगता सहभागी ग्रामीण विकास संस्थान के द्वारा चित्रकारी प्रतियोगिता के द्वारा समझाया गया जल संरक्षण कार्यक्रम को

दुर्ग (समय दर्शन)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे जल संरक्षण पखवाड़े के दौरान कार्यरत संस्था संगता सहभागी ग्रामीण विकास संस्थान के द्वारा ग्राम पंचायत स्ब्रह्मद्वहृद्धह्वस्र्ड्ड मे शासकीय स्कूल मे बच्चों के मध्य चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता मे बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और सभी ने जल से होने वाली बीमारियों के बारे मे जानकारी दी गई। जल को उबालकर पीने हेतु कहा गया।वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया गया ।जल संरक्षण, जल बचाओ, जल के महत्व की जनकारी दिया गया। उत्कृष्ट चित्रों को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम मे विद्यालय के छात्र शिक्षक प्रधान अध्यापक और संस्था से बेबी साहू, राजेश मिश्रा उपस्थित थे।

आज लगेगा लोन मेला, मोन मकान-मोर आस हितग्राहियो के लिए

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस घटक अंतर्गत हितग्राहियो के लिए 30 जुलाई को लोन मेला का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे हितग्राही किरायेदार के रूप में निवासरत, बेघर परिवारो को आवास प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। हितग्राहियो द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा करके लॉटरी में भाग लेकर मकान अपने नाम आबंटित कराया गया है। आबंटन की शेष 90 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य है। ततपश्चात मकान का अधिपत्य पत्र उन्ह सौंपा जाता है। बहुत से हितग्राही शेष 90 प्रतिशत राशि जमा नही कर पा रहे है। ऐसे हितग्राहियो के लिए लोन मेला लगाया जा रहा है। जिसके माध्यम से आबंटित आवास का कुल राशि जमा करके मकान प्राप्त कर सकेगें। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोन मेला डॉ. बी.आर. अम्बेडर सर्व मांगलिक भवन, गौरव पथ, बैकुण्ठधाम भिलाई में आयोजित किया जा रहा है। बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर आवास लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राही को बैंक से लोन प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज- आबंटन पत्र की छायाप्रति, पेन कार्ड की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैक पास बुक की छायाप्रति, शपथ पत्र, 6 माह का बैंक स्टेटमेंट, वेतन प्रमाण पत्र, 3 पासपोर्ट साईज फोटो, किरायानामा, जमा की गई राशि के रसीद की छायाप्रति।

जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के द्वारा उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं विभागीय कार्य की समीक्षा

पाटन (समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा दुर्ग एवं जिला साक्षरता नोडल की अध्यक्षता में दिनांक 25.07.2024 को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आडीटोरियम हाल पाटन में रखा गया द्य जिसमें विकासखंड साक्षरता प्राधिकरण पाटन को 11000 असाक्षर सर्वे का लक्ष्य प्राप्त करने तथा उल्लास ऐप में ऑनलाईन इंट्री में आ रही समस्याओं के विषय में व्यापक चर्चा हुईद्य

भारत सरकार के द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आधार मानते हुए 15 वर्ष या उससे अधिक आयु असाक्षर लोगों को साक्षर करना है। इसके पांच श्रेणियां के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता (पढ़ना,लिखना व अंकज्ञान), महत्वपूर्ण जीवन कौशल (डिजिटल, वित्तीय ,कानूनी,पर्यावरणी साक्षरता व अन्य विषय में जागरूक करना), व्यावसायिक कौशल एवं सतत शिक्षा, इत्यादि प्रदान करते हुए साक्षर करना हैद्य

इन असाक्षरों का चिन्हांकन कार्य के लिए सर्वेयर शिक्षक के साथ-साथ कक्षा 9वी से 12वीं तक के बच्चों को प्रोजेक्ट कार्य के रुप मैं अपने आसपास रहने वाले असाक्षरों की उल्लास नोडल के मार्गदर्शन में जानकारी एकत्रित की जानी हैं, जिससे कि बोर्ड परीक्षा में उल्लास प्रशस्ति पत्र के आधार पर उन्हें बोनस अंक प्राप्त हो सके।

जिला साक्षरता नोडल पुष्पा पुरुषोत्तम जी के द्वारा प्रत्येक संकुल समन्वयक व प्राचार्य के अंतर्गत आने वाले ग्राम व निकाय के द्वारा किए गए असाक्षर सर्वे के चिन्ह्यांकन एवं ऑनलाइन एंट्री की समीक्षा की गई द्य असाक्षरों का कम चिन्हांकन वाले संकुल को जल्द से जल्द लक्ष्य पूर्ण करने हेतु जवाबदेही तय की गई तथा समयसीमा निर्धारित किया गया द्य विकासखंड के प्रत्येक संकुल में मॉडल उल्लास साक्षरता केंद्र स्थापना की जानी है जहां असाक्षर आकर बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेद्य भूमिका साहू के द्वारा उल्लास ऐप में असाक्षर मुखिया/साक्षर/ स्वयंसेवी ऑनलाइन एंट्री की जानकारी दी गई। शासन के निर्देशानुसार उल्लास गीत, उल्लास शपथ, सभी विद्यालय में उल्लास बैनर एवं अन्य सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों, पौधारोपण इत्यादि सभी कार्यक्रमों में उल्लास लोगों का प्रयोग किया जाना हैं तथा डिजिटल तथा प्रिंट मीडिया के माध्यम से इसके व्यापक प्रचार-प्रसार का लक्ष्य रखा गया।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया की 10वीं 12वीं में अध्ययनरत सभी बच्चों का प्रति माह 24 से 30 के मध्य मासिक टेस्ट लिया जाना है एवम् बच्चों के मूल्यांकन अंकों को विनोबा ऐप में अपलोड किया जाना है बच्चों की टेस्ट की कॉपी विद्यालय में एक माह सुरक्षित रखा जाना है सभी बच्चों को प्रैक्टिकल कार्य के रूप में कम से कम 20 से 30 प्रैक्टिकल कराए जाने हैं तथा बच्चों के मूल्यांकन कार्य में सूक्ष्मता एवम् गहनता से आकलन किया जाना हैंद्य शिक्षा सप्ताह में सभी बच्चों एवं समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित किया जाना हैं। उक्त बैठक श्रीमती आकांक्षा अग्रवाल, बीईओ पाटन, कमल देवांगन सहायक नोडल साक्षरता, जैनेंद्र गंजीर पूर्व नोडल पढ़ना लिखना अभियान, जे.पी. पांडे प्राचार्य तथा वि.ख. पाटन के सभी शासकीय विद्यालय के प्राचार्य तथा समस्त सीएसी उपस्थित हुए।

पटरीपार में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में महापौर ने आयुक्त के साथ सुनी वार्डवासियों की समस्याएँ

जन समस्या निवारण शिविर में 136 आवेदनों का मौके पर हुआ त्वरित निराकरण

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को शहर के पटरीपार आदित्य नगर, कुशाभाऊ ठाकरे में वार्ड क्रमांक 14 से लेकर वार्ड 60 तक शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिको ने शिविर के स्टॉल में पहुँच कर अपनी समस्या को दर्ज कराया।शिविर में महापौर धीरज बाकलीवाल ने उपस्थित होकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सभापति राजेश यादव, संजय कोहले, दीपक साहू,पार्षद देवनारायण चन्द्राकर,अरुण सिंह,सुश्री जमुना साहू, काशीराम कोसरे, अमित देवांगन, निर्मला साहू, खिलावन मटियारा, काशीराम रात्रे सहित अधिकारियो की मौजूदगी में लोगों की समस्याएं सुनी और निवारण का आश्वासन दिया।साथ ही मौके पर मौजूद निगम के अधिकारी व कर्मचारियों को समस्याओं के उचित निराकरण के लिए निर्देशित किया।। शिविर में महापौर धीरज बाकलीवाल की मौजूदगी में वार्डों से पहुंचे आमजनों ने अलग-अलग समस्याओं से महापौर को अवगत कराया।जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में पीएम स्वनिधि, नल कनेक्शन,राशन कार्ड, अतिक्रमण,जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, नाली,सड़क,भवन निर्माण आदि से संबंधित समस्याओं को लेकर आवेदक शिविर स्टाल पहुंचे। वार्डवासियों के समस्याओं के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने शिविर में मौजूद अधिकारियों को जल्द निराकरण के लिए निर्देश दिए।बता दे जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 338 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया।जिसमे 136 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।अन्य 202 आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाही शुरू कर दी गई है।शिविर में सबसे ज्यादा आवेदन इसमें 107 अतिक्रमण के ऐसे शिकायत है।वार्ड 14 से वार्ड 22 तक एवं वार्ड 57 से वार्ड 60 तक के जनसमस्या निवारण शिविर में सैकड़ो लोग किसी न किसी समस्या के निराकरण के लिए पहुंचे थे।सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चले शिविर में 3 हितग्राही खुद के लिए आवास मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये.

शिविर स्थल में सबसे ज्यादा भीड़ आधार अपडेट कराने वालों की थी,29 लोगों ने आधार अपडेट कराये, 13 लोगो ने ईलाज कराने आयुष्मान कार्ड बनवाया। शिविर स्थल पर 46,986 रूपए की राजस्व वसूली भी की गई। इसके अलावा जल विभाग से संबंधित 17 आवेदन, नाली, सड़क संबंधी निर्माण के लिए और 24 लोग राशन कार्ड में नाम संशोधन कराने पहुंचे थे। साफ सफाई से संबंधित पूरा 39 आवेदनों को मौके पर ही निराकरण किया गया।शिविर में मौजूद संयुक्त कलेक्टर वीरेंद्र सिंह,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता आर के पालिया,भवन अधिकारी गिरीश दीवान, दुर्गेश गुप्ता,जावेद अली, तहसीलदार ख्याति नेताम, शुभम गोइर व अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। शिविर में जानकारी के मुताबिक महतारी वंदन योजनांतर्गत जिन हितग्राहियों का डीबीटी नही हुआ है उनका डाक विभाग के सहयोग से पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवाया गया।

खेत जाने का रास्ता हुआ बंद, अवैध कब्जा से किसान हुए परेशान

10 वर्षीय पोते को दिव्यांग छात्रावास में प्रवेश दिलाने कलेक्टर से लगाई गुहार

जनदर्शन में प्राप्त हुए 205 आवेदन

दुर्ग (समय दर्शन)। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर की उपस्थिति में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 205 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे पदुम नगर चरोदा निवासी ने अपने 10 वर्षीय पोते को दिव्यांग छात्रावास में प्रवेश दिलाने कलेक्टर से गुहार लगाते हुए कहा कि उनका पोता दिव्यांग है। बच्चे के माता-पिता रोजगार के लिए जिले से बाहर निवास करते हैं। अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए बच्चे को शिक्षा प्रदान करने के लिए दिव्यांग छात्रावास दुर्ग में प्रवेश दिलाने आवेदन किया। इस पर कलेक्टर ने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग एवं समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम कुथरेल के किसानों ने कृषि भूमि पर अवैध कब्जे को हटाकर खेत में जाने हेतु रास्ता प्रदान करने के लिए आवेदन दिया। पंडित श्यामा प्रसाद शुक्ला भाठा तालाब कुथरेल के पीछे स्थित भूमि में कृषि कार्य हेतु तालाब के मेड़ से आना-जाना किया जाता है। उक्त कृषि भूमि में जाने हेतु अन्य कोई रास्ता नहीं है। अन्य व्यक्ति द्वारा रास्ते में अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण किया जा रहा है, जिससे आने-जाने का रास्ता बंद हो रहा है तथा खेती किसानी करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वार्ड नम्बर 04 अहिवारा वार्डवासियों ने प्रतिक्षालय के पास शासकीय भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर उक्त जमीन पर दुकान का निर्माण किए जाने की शिकायत की। इसी प्रकार ग्राम उमरपोटी के समस्त किसानों ने भारतमाला परियोजना में निर्माण हो रहे दुर्ग-आरंग के अंतर्गत वर्तमान अधिग्रहित की जा रही कृषि भूमियों के मुआवजा का निर्धारण गाईडलाईन दर के अनुसार भूमि का मूल्यांकन कर मुआवजा राशि की मांग की। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत केसरा विकासखण्ड पाटन के सरपंच ने आवेदन सौपते हुए बताया कि ग्राम केसरा में उपस्वास्थ्य केन्द्र हेतु भवन निर्माण के लिए शासन द्वारा बजट स्वीकृत की जा चुकी है, परंतु चिन्हांकित भूमि के आसपास लगानी भूमि होने के कारण सीमांकन कराने के लिए तहसीलदार को आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सीमांकन नही होने के कारण उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ नही हो पा रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले के दूरस्थ स्थानों से पहुंचे आम लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर गंभीरता से उनकी समस्याओं को सुना

जनदर्शन में लव कुमार साहू को मिली बैटरी चलित ट्रायसायकल

जनदर्शन में आज कुल 113 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में सभी जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में जनदर्शन के माध्यम से जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से आए आम नागरिकों की विभिन्न शिकायत, समस्या एवं मांग से संबंधित प्राप्त विभिन्न आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुना। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। आज जनदर्शन में 113 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

जनदर्शन में आज तहसील जांजगीर के ग्राम भड़ेसर निवासी श्रीमती शान्ति यादव द्वारा अन्त्योदय राशन कार्ड जारी करवाने, तहसील शिवरीनारायण के ग्राम कामता निवासी कामतानाथ द्वारा ऑनलाईन रिकार्ड में त्रुटि को सुधार करवाने, विकासखंड नवागढ़ के ग्राम गोधना के माँ मनसा देवी धीवर मछुआ सहकारी समिति (मर्या) द्वारा पट्टा दिलाने, तहसील मुख्यालय चांपा निवासी श्रीमती हेमलता श्रीवास द्वारा रोजगार प्रदान करने, तहसील सारागांव के ग्राम सारागांव निवासी श्री लक्ष्मी प्रसाद द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए, जिस पर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करते हुए उचित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए सभी संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये हैं।

जनदर्शन में लव कुमार साहू को मिली बैटरी चलित ट्रायसायकल - तहसील पामगढ़ के ग्राम भंवतरा निवासी दिव्यांग लव कुमार साहू ने आज जनदर्शन में कलेक्टर के पास बैटरी चलित ट्रायसायकल दिलाने आवेदन लेकर पहुंचे तो कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दिव्यांग लव कुमार को बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान की। दिव्यांग लव कुमार ने बताया कि वे अपना किराना दुकान संचालित कर अपने पूरे परिवार का पालन-पोषण करता है। उसे पहले कहीं भी आने जाने में बहुत परेशानी होती थी लेकिन अब ट्रायसायकल के मिल जाने से वह अपने व्यवसाय को और बेहतर संचालित कर अपने परिवार पालन पोषण और अच्छे से कर सकता है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन बसना की नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ फीचर्स एसोसिएशन बसना की नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन एवं शपथग्रहण समारोह रेस्ट एरिया सिंघनपुर में आयोजित किया गया। इस समारोह में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रांतीय संयोजक सुधीर प्रधान (मुख्यअतिथि) जिला अध्यक्ष नारायण चौधरी (अध्यक्षता) एवं प्रांतीय संगठन मंत्री पूर्णानंद मिश्रा (विशिष्ट अतिथि) के रूप में उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में अन्य आगंतुक अतिथि के रूप में ब्लॉक अध्यक्ष बागबाहरा विनोद यादव एवं उनकी टीम, ब्लॉक अध्यक्ष पिथौरा महेन्द्र चौधरी एवं उनकी टीम, ब्लॉक अध्यक्ष सरायपाली ललित साहू एवं उनकी टीम, ब्लॉक अध्यक्ष महासमुन्द राजेश साहू एवं उनकी टीम के साथ जिले एवं ब्लॉक के विशिष्ट पदाधिकारीगण की गरिमामय उपस्थिति में शिक्षकों के जन सैलाब के बीच कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण का भव्य आयोजन किया गया। नवनियुक्त बसना विकास खंड अध्यक्ष गजेन्द्र नायक, सचिव- वारिश कुमार सहसचिव- प्रेमचंद साव, कोषाध्यक्ष - महेन्द्र पाल साहू, उप कोषाध्यक्ष- प्रेमचंद भोई , संयोजक हीराधर साव, कार्यकारी अध्यक्ष उस्ताद अली,करमुलाल चौहान, प्रवक्ता प्रेमानंद भोई , सालिक राम टण्डन, उपाध्यक्ष विजय सिदार, मीडिया प्रभारी- आरिफ बेग,संगठन मंत्री मनीष कुमार, सुरेन्द्र

बांक, रेशमलाल चौधरी, पुरंदर बन्छोर बसना ब्लॉक के 6 सेक्टर प्रमुख (1)बसना सेक्टर रविन्द्र सोना (अध्यक्ष)महेश देवांगन(उपाध्यक्ष), (2)भूकेल सेक्टर -नरेन्द्र नायक(अध्यक्ष) जयप्रकाश (उपाध्यक्ष), (3.)भंवरपुर सेक्टर - गणेश सिदार (अध्यक्ष) , नीलाम्बर चौधरी(उपाध्यक्ष), (4.)गढ़फूलझर सेक्टर, चंपतलाल चौधरी (अध्यक्ष) सुरेन्द्र बांक (उपाध्यक्ष),(5.)बड़ेसाजापाली सेक्टर, ज्योति कुमार पटेल (अध्यक्ष) नंदराम साहू (उपाध्यक्ष), (6) जमदरहा, महेन्द्र चौधरी(अध्यक्ष), (11)कार्यकारिणी सदस्य, कृष्ण कुमार नायक, चंद्रकांत चौरसिया, सुदामा पटेल, सूरत हाथी, शिवशोभन सिंह ठाकुर, (12.)महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या चौहान आदि ने अपने पद और संगठन के प्रति निष्ठा की शपथ लिया।

उपस्थित सभी अतिथियों ने नव नियुक्त पदाधिकारियो को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि हमारी मांगे अभी समाप्त नहीं हुई हमारे सामने चुनौती के अंबार है जिसमें उन्होंने सहायक शिक्षको वेतन विसंगति , पूर्व सेवा काल की गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से और पुरानी पेंशन योजना लागू कराने जैसे कई मांगों के लिए संगठन की एकता और मजबूत करने की आवश्यकता है कहा। मुख्य अतिथि प्रधान ने अपनी प्रांतीय रणनीति से अवगत कराते हुए प्रांतीय गतिविधियो से अवगत कराते हुए मातृ संगठन की उपलब्धि बताते हुए संघ शक्ति कली युगे की बात करते हुए नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष(बसना) गजेन्द्र नायक और उनकी पूरी कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित किया द्य विशिष्ट अतिथि के रूप पूर्णानंद मिश्रा जी ने बसना विकास खंड की विविध मांगों को लेकर किए गए हड़तालों की गौरवशाली इतिहास को यादकर नव गठित कार्यकारिणी से नए तेवर नए कलेवर के साथ संगठन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

गजेन्द्र नायक ने अपने प्रथम अध्यक्षीय उद्बबोधन में सभी शिक्षक को एकता के सूत्र में बंधकर कार्य करने हेतु आव्हान किया द्य और संगठन से जुड़े नये साथियो का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ से संगठन में स्वागत वंदन किया द्य आभार प्रदर्शन श्री विजय शंकर विशाल जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की समस्त रूपरेखा विकास खंड सचिव वारिश कुमार द्वारा बनाया गया द्यकार्यक्रम का संचालन अनिल सिंह साव और अमित चौरसिया द्वारा किया गया। उक्तआशय की जानकारी विकासखंड सचिव व समन्वयक वारिश कुमार ने दी ।

सार समाचार

दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर(समय दर्शन)। कबीरनगर और सिविल लाइन थाना क्षेत्र से अज्ञात चोरों ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार न्यू चंगोराभाठा निवासी जुगल किशोर 46 वर्ष ने कबीरनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएफ 6334 को वीर सावरकर नगर हीरापुर में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं सिविल लाइन थाना में प्रार्थी अजीत खेतपाल 45 वर्ष निवासी बैरनबाजार ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमबी 6734 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 27 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू लहराते एक युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। मोवा पुलिस ने चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि वृंदावन गार्डन के पास एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र कुमार बंजारा 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है।

सरेआम शराब पीते 17 लोग गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सरेआम शराब पीते 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस ने मजदूर नगर सरोरा में सरेआम शराब पीते आरोपी मनोज वर्मा 23 वर्ष व अजय विश्वकर्मा 22 वर्ष व शंकर साहू 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खमतराई पुलिस ने आरोपी चरणदास मानिकपुरी 39 वर्ष व मिश्री यादव 45 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह नेवरा पुलिस ने आरोपी लेखूराम यादव 40 वर्ष, बलराम पाल 40 वर्ष व रविशंकर निषाद 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं आरंग पुलिस ने आरोपी कमल पटेल 32 वर्ष, धनराज जलक्षत्रि 19 वर्ष, बाबूलाल साहू 55 वर्ष, मोहित कन्नौजे 32 वर्ष व पवन निषाद 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में हुई शामिल

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर सरगुजा में आंगनबाड़ी केंद्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

रायपुर(समय दर्शन)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर आज रविवार को सरगुजा जिले के प्रवास पर रहीं। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्री लक्ष्मी राजवाड़े भी उनके साथ कार्यक्रमों में शामिल हुईं। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती ठाकुर ने आंगनबाड़ी केंद्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। श्रीमती ठाकुर ने अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने सबसे पहले सखी वन स्टॉप सेंटर दरीपारा का निरीक्षण कर महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से घर-परिवार से बिछड़े महिलाओं को उनके परिवार से मिलाने के लिए जरूरी पहल करने को कहा। संरक्षण अधिकारी ने बताया कि अब तक 315 परिवारों को जरूरी परामर्श देकर टूटने से बचाया गया है। इसके बाद श्रीमती ठाकुर ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया तथा सुपोषण चौपाल लगाकर महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं को पोषण के प्रति सजग रहने सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र इंदिरा नगर, नवापारा और बंगालीपारा का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्रों में गोदभराई कार्यक्रम में शामिल होकर गर्भवती महिलाओं का तिलक लगाकर विधिवत नारियल,चना, गुड़, फ्ल, सब्जी, श्रृंगार सामग्री भेंटकर शुभकामनाएं देते हुए

गोदभराई रस्म अदा की। उन्होंने बड़े दुलार के साथ बच्चों को खीर खिलाकर अन्न-प्राशन्न किया। नवापारा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में आजीविका गतिविधियों का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी केंद्रीय राज्य मंत्री से मुलाकात की और समूह की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। इसी कड़ी में आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर सभी को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करते हुए पेड़ो की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेने कहा। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े भी एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। आंगनबाड़ी केंद्र बंगालीपारा में उन्होंने उपस्थित महिलाओं को शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। उन्होंने वहां पर उपस्थित महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजें। स्वयं भी केंद्र जाएं और देखें कि आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खुले तथा केंद्र में स्वच्छता भी बनी रहे। बच्चों का बेहतर विकास सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। अपनी सक्रिय सहभागिता से शासन और प्रशासन को सहयोग करें। इसके बाद पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, कलेक्टर श्री विलास भोसकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न विभागों के स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आपका मन धर्म में लग जाए तो चार महीने आपको प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं होगी : मुनिश्री विरागमुनि जी

रायपुर(समय दर्शन)। दादाबाड़ी में आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 के नौवें दिन रविवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनि जी ने कहा कि आज हमें जो करना है वह बहुत ही क्लियर होना चाहिए, जिस काम को आप करने जा रहे हो उसकी आखिरी मंजिल आपको पता होनी चाहिए क्योंकि कभी अगर आपको वह काम छोड़ने का मन हो तो आपको आपका लक्ष्य याद आ जाना चाहिए। आज तो आपके पास जो है पुराने पुण्यों और गुरु की कृपा से आपको मिला है। आज मानव जीवन मिला है तो हम संसार की सूक्ष्मता को समझने में समर्थ है लेकिन आज कोई इसे जानना नहीं चाहता, समझना नहीं चाहता। आज कर्म सत्ता आपको सब कुछ दे रही है तो धर्म की ओर आपका ध्यान नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि आज आपको जिनवाणी सुनने का मन है, आपके पास समय है, आप जाते हैं एक घंटे जिनवाणी सुनते हैं पर उसे जीवन में उतारते नहीं है। ऐसा नहीं करने के लिए आपके पास सौ बहाने होते हैं। लोगों को बहुत कठिन लगता है धर्म करने में लेकिन कठिन है नहीं। बस आपको थोड़ा सा पुरुषार्थ करना होगा और बाकी आपका मन भी लगने लग जाएगा। एक बार आपका मन धर्म में लग जाएगा तो आपको इतना प्रोत्साहित करने की जरूरत हमें नहीं पड़ेगी। एक प्रसंग के माध्यम से मुनिश्री ने बताया कि एक बच्चा दसवीं क्लास में फेल हो जाता है और तुरंत आत्महत्या करने का मन बना लेता है। आज पढ़ा लिखा व्यक्ति ही ज्यादा सुसाइड कर रहा है जबकि कम पढ़े लिखे, जैसे तैसे अपना जीवन यापन करने वाले लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वह बच्चा जब आत्महत्या करने जा रहा होता है तो उसे एक व्यक्ति पूछ लेता है कि कहां जा रहे हो। वह कहता है कि मैं सुसाइड करने जा रहा हूं, उस पर वह व्यक्ति कहता है कि चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा और सुसाइड करने में तुम्हारी मदद भी करूंगा। मुनिश्री कहते हैं कि आप किसी काम को करने की जिद्द ठान ले तो सब आपको मना करते हैं फिर भी आप वह काम करना चाहते हैं चाहे उसका परिणाम नकारात्मक ही क्यों ना हो। जबकि कोई गलत काम करने में आपका साथ देने में सहमति जताता है तो आपके मन में यह बात जरूर आती है कि मैं तो गलत कर ही रहा हूं, इसे मैं गलत क्यों करने दूं और इसी वाक्य से व्यक्ति का मन बदल जाता है।

खाद्य मंत्री बघेल ने जहरीली गैस से मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात की

परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए मौके पर 25-25 हजार की मदद

रायपुर(समय दर्शन)। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल रविवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम कुंआ पहुंचकर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मृत तीन ग्रामीणों आत्माराम साहू, रामकुमार ध्रुव एवं राकेश साहू के अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवारजनों से मुलाकात कर तीनों मृतक के परिजनों को 25-25 हजार रूपए अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक मदद प्रदान की। मंत्री दयालदास बघेल ने शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने परिवारजनों से कहा कि राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत तीनों परिवारों को

चार-चार लाख रूपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। विदित हो कि बीते शनिवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम कुंआ में केसिंग पाईप की मरम्मत करने के लिए कुएं में उतरे 55 वर्षीय आत्माराम साहू, 45 वर्षीय राम कुमार ध्रुव एवं 25 वर्षीय राकेश साहू की जहरीली गैस के रिसाव से मृत्यु हो गई थी।

छत्तीसगढ़ हाइकोर्ट ने 68 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले अशोक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल सहित 9 डायरेक्टरों की याचिका खारिज कर दी

हाई कोर्ट ने कहा आरोपों की पुष्टि की जा रही हैं, चार्जशीट अनुसार कार्रवाई होगी

रायपुर(समय दर्शन)। मालूम हो कि केबल व्यवसायी अशोक अग्रवाल व उनके बेटे अभिषेक अग्रवाल, संजय खन्ना समेत 9 डायरेक्टरों के खिलाफ प्रार्थी डायरेक्टर ने 10 जून 2020 को रायपुर के देवेन्द्र नगर थाने में 68 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की शिकायत दर्ज की थी, जिस पर पुलिस ने धारा 409, 420, 120 - बी, 34 के तहत मामला दर्ज किया था, वहीं बाद में आईपीसी की धारा 467, 468, और 471 के तहत अन्य अपराध भी जोड़े गए थे। आरोपियों ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में राहत अर्जी दाखिल की थी और आरोपों को निरष्त करने की मांग की, जिसपर हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर स्पष्ट रूप से कहा कि आरोपों की पुष्टि हो रही हैं इसलिए चार्जशीट अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि 68 करोड़ से अधिक के घोटाले का मामला है, इसमें हैथवे सी. सी. एन मल्टीनेट प्राईवेट लिमिडेट के डायरेक्टर बिलासपुर निवासी अशोक अग्रवाल, पुत्र अभिषेक अग्रवाल, संजय खन्ना, दुलाल बैनर्जी, मयुर गोविंद भाई कनानी, सुधीर सरीन, सुनील सेठी, राजेश कुमार मितल ने मिलकर कंपनी को वर्ष 2010 से 2020 तक 68 करोड़ 30 लाख का चूना लगाया था।

एयरटेल ने 5G ट्रैफिक की तेज़ी से बढ़ती माँग पूरी करने के लिए मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का पुन: उपयोग शुरू किया

नई दिल्ली: भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा की कि उसने अपने 5G ट्रैफिक की नेटवर्क से जुड़ी जरूरत में तेजी से होती वृद्धि पूरी करने अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए पर अपने मौजूदा मिड-बैंड स्पेक्ट्रम को नए सिरे से व्यवस्थित करना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे अधिक-से -अधिक ग्राहक 5G नेटवर्क की ओर बढ़ते जा रहे हैं, एयरटेल देश भर में अपने 1800, 2100, 2300 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 5G सेवाओं का विस्तार करने के लिए अपने मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का नए सिरे से तैयार कर रही है। मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का उपयोग किए जाने पर ग्राहकों को बेहतर इनडोर कवरेज के अलावा पहले से अधिक तेज गति की ब्राउज़िंग का लाभ मिलेगा। जैसे-जैसे डेटा की मांग बढ़ती जा रही है, एयरटेल भी अपने ग्राहकों को शानदार 5G अनुभव देने के लिए अपने मौजूदा स्पेक्ट्रम को तेज गति से नए सिरे से तैयार कर रहा है। रणदीप सेखों, सीटीओ, भारती एयरटेल ने कहा, जैसे-जैसे अधिक ग्राहक हमारी 5G सेवाओं की ओर बढ़ रहे हैं, हम अपने मिड बैंड स्पेक्ट्रम को नए सिरे से तैयार करते जा है जिसका उपयोग पहले 4G सेवाएं देने के लिए किया जा रहा था। इसी के हम स्टैंड-अलोन टेक्नोलॉजी लॉन्च करने के लिए भी तैयार हैं। इसका मतलब यह होगा कि एयरटेल नेटवर्क भारत में पहला नेटवर्क होगा जो स्टैंड-अलोन और नॉन-स्टैंडअलोन दोनों मोड पर काम करेगा, जिससे हम बाजार में बेहतरीन अनुभव दे सकेंगे।

जयपुर के बड़ी चौपड़ पर पवित्र श्रावण मास में अपनी तीर्थयात्रा के दौरान भगवान शिव के भक्त (कांवड़िये).

गौ-तस्करों की कथित मॉब लिंचिंग मामले में आया नया मोड़...

रायपुर-आरंग(समय दर्शन)। आरंग के पास 7 जून को गौ तस्करी के आरोपी 3 युवकों की मौत के मामले में अब नया मोड़ आया है। इन युवकों के नदी में कूदते हुए वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। उल्लेखनीय है कि, इस मामले ने छत्तीसगढ़ में बड़ा सियासी रंग ले लिया था। तस्करी के आरोपियों की हत्या का आरोप गोरक्षकों पर लगाया जा रहा था। गोरक्षकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर कई बड़े प्रदर्शन भी हुए। वहीं बजरंग दल और अनेक हिंदूवादी संगठनों ने भी गोरक्षकों की गिरफ्तारी के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा किया था। हालांकि, रायपुर के सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने पहले ही इस मामले में गोरक्षकों को यह कहते हुए क्लीन चिट दे दी थी कि, गोतस्कर खुद ही नदी में कूद गए थे। इस वीडियो के सामने आने से उनकी बात सच साबित हुई है। बताया जा रहा है कि, ट्रक को रोकने के बाद गोतस्कर महानदी में कूदते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो मृतकों का पीछा करते हुए बनाया गया है। जैसा कि, वीडियो में देखा जा सकता है गो तस्करी के शक में एक ट्रक का पीछा किया जा रहा था। इस दौरान ट्रक चालक-परिचालक ट्रक से उतरे और महानदी में कूद गए। वीडियो में इन युवकों को कूदने से मना करती हुई आवाज भी साफ सुनाई दे रही है। जबकि मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया था कि, तीनों की मौत मॉब लिंचिंग से हुई थी।

छत्तीसगढ़ के सभी खेलों के पदाधिकारियों की हुई बैठक

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के सभी खेलों के पदाधिकारियों की यूनियन क्लब में बैठक हुई. बैठक में सभी खेल संघों के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ में महासचिव पद के लिए गुरुचरण सिंह होरा के नाम पर अपनी सहमति जताई है। बता दें कि छत्तीसगढ़ के सभी खेल संघ की ओर से राज्य खेल संघ एवं जिला खेल संघ के पदाधिकारियों ने गुरुचरण सिंह होरा के नाम पर अपनी सहमति बनाई हैं. ज्ञात हो कि 2024 अगस्त में ओलंपिक संघ का चुनाव होना है, वहीं आज संघों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से ये निर्णय लिया कि गुरुचरण सिंह होरा महासचिव छत्तीसगढ़ टेनिस एसो. एवं सीईओ बसीर अहमद खान छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ को संयुक्त रूप से यह जिम्मेदारी की सहमति दी गई कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के नियमानुसार चुनाव कराकर पदाधिकारी तय कर सभा में सभी खेल संघ द्वारा एक मत होकर गुरुचरण सिंह होरा छत्तीसगढ़ राज्य

ओलंपिक संघ के पद के क्रियाकलाप को सुचारू रूप से अधीकृत किया गया. यूनियन क्लब अध्यक्ष गुरुचरण सिंह होरा ने बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के हित में बढ़ चढ़कर अपना योगदान दे रही है, प्रदेश में अनेक प्रकार के खेल के आयोजन आयोजित किए जा रहे है, साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा में निखार ला रहे है, और देश भर में छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं. वहीं गुरुचरण सिंह होरा ने सभी खेलों के पदाधिकारियों का उनका नाम महासचिव के पद के लिए फिर से नामित करने के लिए आभार जताया। बैठक में अनिल पुसदकर, जीएस बांभरा, नौशाद खान, विनोद राठी, कुलदीप जुनेजा, समीर खान, दलजीत सिंह, अभिजीत मिश्रा, ज्योति सिंह, प्रमोद सिंह ठाकुर, कमलजीत अरोरा, कुलदीप जुनेजा, अवतार जुनेजा, जगन्नाथ यादव, राजेश जंघेल, डी. कॉन्डडीह, मो. अकरम खान, अतुल शुक्ला, धीरज बाजपेयी, कुंवर सिंह निषाद, तरुण सिंह, सतीश कुमा?र, विजय सिन्हा, तारिक, दीपक अरोरा, फ्लिप थामोस, हितेश यादव, राजेश तिवारी, नौसाद खान, अतुल चोपड़ा, अनिल द्विवेदी, जितेन तिवारी, इमरान खान, अतुल चोपड़ा, अनिल खोपरा गड़े, रणधीर सिंह बद्दी, अरुण शुक्ला, सुरेश क्रिस्टोफर, रूपेंद्र सिंह चौहान ने सर्वसम्मति से गुरुचरण सिंह होरा को ओलिंपिक संघ के सुचारु रूप से संचालन के लिए अपनी सहमति जताई.

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में घर खरीदने वालों को बड़ी राहत दी है। फ्लैट का कब्जा नहीं पाने वालों को ईएमआई पेमेंट को लेकर बैंकों, वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों द्वारा कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न ही उनके खिलाफ चेक बाउंस का मामला चलेगा।

सबसे बड़ी अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें खरीदारों की याचिकाओं को अन्य कानूनी विकल्पों की मदद लेने की बात कह कर खारिज कर दिया गया था।

शीर्ष अदालत ने केंद्र, बैंकों समेत अन्य को नोटिस भी जारी किया। पीठ ने सभी मामलों पर अंतरिम रोक लगाई जिसके तहत बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्डर/डेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पहले भी अदालत ने खरीदारों के पक्ष में सख्त फैसले दिए हैं। जब संसद में कानून पास होने के बाद कुछ रिअल एस्टेट कंपनियों ने इस संशोधन को अदालत में चुनौती दी थी।

दिवालिया कानून यानी इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी में बदलाव कर खरीदार को डिफॉल्टर, डवलपर को उसकी रकम वापस देने संबंधी संशोधन किया गया था।

खरीदारों का कहना है कि बैंक की तरफ से ऋण सीधा बिल्डर के खाते में जाता है। जो रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। देश में जिस तेजी से विकास हो रहा है। डेवलपर और बिल्डर सरकारी महकमें से मिली-भगत कर ऊंची-ऊंची इमारतें बना रहे हैं। मध्यम वर्ग को सपने दिखा कर मोटी रकम वसूली होती है। पूरा पैसे चुकाने के बावजूद हजारों लोग तय वक्त पर घर न मिलने से परेशान होकर बिल्डरों के दफ्तरों के चक्कर लगाते नजर आते हैं।

विभिन्न कानूनी विकल्प होने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं होती। हालांकि यह फैसला खासकर एनसीआर के मकान खरीदारों के लिए है जबकि यह देश भर के नागरिकों के हित में लागू होना चाहिए।

जनता की गाढ़ी कमाई के प्रति बैंकों- वित्तीय संस्थानों, बिल्डरों/डेवलपरों को खुली छूट देने के प्रति सबसे पहले सरकार ही जिम्मेदार है। यह फैसला उन खरीदारों को राहत देने वाला तो है ही, जो अपने घर का सपना दिखा कर खरीदारों को उचित जवाब तक नहीं देते वहीं लोन देकर कर्जदारों को जंजाल में फंसाने वालों को भी सबक लेना होगा।

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्तातनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फएक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रही है?

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता तो प्रदूषण को कम करने की दिशा में हम कुछ कदम बढ़े होते।

वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रासायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्रोत हैं। बढ़ता प्रदूषण वैश्विक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए एक बड़ा खतरा है। वायु प्रदूषण सभी रूपों में, हर साल दुनिया भर में 6.5 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है यह संख्या पिछले दो दशकों में बढ़ी है। भारत के महानगरों में यह अधिक विकराल होती जा रही है। उच्च वायु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, मधुमेह, मोटापा, तथा प्रजनन, तंत्रिका संबंधी और प्रतिरक्षा प्रणाली संबंधी विकार शामिल हैं। वायु प्रदूषण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी सहित अनेक महानगर क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं। निस्संदेह, राज्यों के शासन व स्थानीय प्रशासन के वायु प्रदूषण को लेकर उदासीन रवैये से नागरिकों के जीवन का संकट बरकरार है। सर्वविदित तथ्य है कि न तो सरकारों के पास पर्याप्त संसाधन हैं और न ही ऐसा विशिष्ट कार्यबल। नागरिकों की जागरूकता व जवाबदेही बढ़ाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये प्रशासन एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

शिक्षण प्रक्रिया में समावेशन अत्यावश्यक

प्रो. सरोज शर्मा

वर्तमान शिक्षा के बदलते स्वरूप में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता जरूरी है जो हमारे देश की भावी पीढ़ी को नया आकार देगी और शिक्षकों की मजबूत पहचान सुनिश्चित करेगी। इसके लिए हमें अपने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को नये परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की जरूरत है।

इस दिशा में एनईपी-2020 ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता को उचित रूप से मान्यता दी है, जिसमें 21वीं सदी के सीखने के कौशल एवं सामग्री के साथ-साथ शिक्षा शास्त्र में उच्च गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण भी शामिल होगा और जो भावी शिक्षकों को बदलते समय की गति के साथ आगे ले जाएगा।

हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ने हमेशा व्यक्ति के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को गौरवशाली भारतीय संस्कृति और विरासत को दृष्टिगत करते हुए नया स्वरूप दिया जाना चाहिए। शिक्षा सामूहिक सामाजिक प्रयास है जो सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए अनुशासित होकर अपनी पूर्ण कार्यक्षमता के साथ समाज का महत्त्वपूर्ण सदस्य बने। 21वीं सदी में हम जब वैश्विक समाज में रह रहे हैं तब शिक्षकों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण के बहुमुखी कार्यक्रमों की जरूरत है। शिक्षा पाठ्यक्रम को इस तरह से संशोधित करने की भी आवश्यकता है कि वह समावेशी हो और उसमें आजीवन सीखने, शिक्षार्थियों के विकास और अनुप्रयोगों पर जोर हो।

लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों पर भी बल दिया जाना चाहिए और भावी शिक्षकों के बीच राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। पाठ्यक्रम को समाज की लगातार बदलती जरूरतों, नैतिक मानदंडों, प्रौद्योगिकी उन्नति और प्रसार एवं वर्तमान संदर्भ में दूरस्थ-वर्चुअल सीखने की पद्धति का भी संज्ञान लेना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद संपूर्ण भारत में अध्यापक शिक्षा का नियामक और पथप्रदर्शक है।

आज उसकी भूमिका और भी बढ़ती जा रही है। इसने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं। इनमें से 4-वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) महत्त्वपूर्ण कदम है। एक ओर चार वर्षीय विशिष्ट पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया है तो दूसरी ओर कुछ चयनित संस्थानों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा जहां नवीन आवश्यकताओं के अनुसार आधारभूत संरचना और मानव संसाधन उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) अध्यापकों की गुणवत्ता का एक आधार प्रस्तुत करता है। इससे 21वीं सदी में अध्यापकों की कार्यदक्षता निर्धारित होगी ताकि बदलती तकनीक से वे स्वयं को कुशल बनाते रहे।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का एक और अभिनव प्रयास राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन (एनएमएम) है। यह शिक्षकों को सलाह देने, ज्ञान के औपचारिक-अनौपचारिक प्रसार के साथ ही शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल के विकास की दिशा में कार्य करता है। अनेक सरकारी नवाचारों को लागू करने के लिए ब्रिज कोर्स का निर्माण सरल और प्रभावी कदम होगा। जैसे-शारीरिक शिक्षा और योग शिक्षण। इसी प्रकार समावेशी शिक्षा पर भी पाठ्यक्रम जरूरी है। हम अपने समाज में बड़ी संख्या ऐसे बच्चों की पाते हैं, जो किसी न किसी तरह की शारीरिक या मानसिक अक्षमता से ग्रसित होते हैं। उनकी आवश्यकताएं बाकी बच्चों से अलग होती हैं। यही कारण है कि वे कहीं न कहीं शिक्षण की मुख्यधारा से अलग हो जाते हैं। अध्ययन- शिक्षण प्रक्रिया में उनका समावेशन अत्यावश्यक है। शिक्षकों में यह कौशल विकसित करना जरूरी है।

भारत से अतीत में ज्ञान की कई धाराएं प्रवाहित हुई, परंतु कालांतर में कहीं खो गई। शिक्षक का अत्यंत महत्त्वपूर्ण दायित्व उस समर्थ और श्रेष्ठ भारत से विद्यार्थियों का परिचय कराना भी है। अतः एक ओर जहां शिक्षण- अध्यापन सामग्री के पुनरीक्षण के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन की आवश्यकता है, वहीं शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। इसमें भारत के दर्शन, चिकित्सा, गणित, खगोल शास्त्र, धातु विज्ञान, जीवन मूल्यों आदि जैसे विविध ज्ञान क्षेत्र से परिचय ब्रिज कोर्स के माध्यम से हो सकता है। सूचना तकनीक आज ज्ञान के प्रसार और शिक्षण का अत्यंत प्रभावी माध्यम है।

यह शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच की दूरी को भी कम कर देती है। बदलते परिवेश और और बदलती तकनीक के साथ शिक्षकों का सूचना प्रौद्योगिकी में पारंगत होना समय की आवश्यकता है। तकनीकी विकास ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी परिष्कृत प्रौद्योगिकी को भी संभव बना दिया है, जो ज्ञान का एक नया संसार है।

एससी का अहम फैसला, राज्यों की जीत

सुप्रीम कोर्ट ने माइंस एंड मिनरल्स (डिवेलपमेंट एंड रेग्युलेशन) यानी MMDR एक्ट, 1957 के तहत रॉयल्टी से जुड़े एक अहम मामले में फैसला दिया है कि इसे टैक्स नहीं माना जा सकता। इस फैसले के मुताबिक राज्यों को खनिज और खनिज वाली जमीनों पर केंद्र द्वारा ली जाने वाली रॉयल्टी के अतिरिक्त भी टैक्स लगाने का अधिकार है।

क्या है मतलब- केंद्र और राज्यों के अधिकारों से जुड़े इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 1989 में दिए अपनी संविधान पीठ के फैसले को गलत करार दिया है। सात जजों की बेंच ने उस फैसले में खदान और खनिजों के विकास से जुड़े मामलों में टैक्स लगाने का अधिकार केंद्र का बताया था। स्वाभाविक ही, पहली नजर में नौ जजों की बेंच के बहुमत से दिए गए ताजा फैसले को केंद्र सरकार के लिए झटका बताया जा रहा है। लेकिन इस फैसले के निहितार्थ काफी दूर तक जाते हैं।

आमदनी का नया स्रोत- जहां तक राज्य और केंद्र के अधिकारों की हदों का मामला है तो ताजा फैसला निश्चित रूप से कई राज्य सरकारों के लिए बड़ी राहत बन कर आया है। इस फैसले के कारण अब राज्य सरकारों को राजस्व का एक नया स्रोत मिल गया है। इससे जहां उनकी आमदनी बढ़ेगी, वहीं नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने और राज्य के विकास को तेज करने वाले कदम उठाने के मामले में केंद्र पर निर्भरता कम हो जाएगी। खासकर ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे खनिज संसाधनों से संपन्न राज्य इस मामले में ज्यादा फायदे की स्थिति में रह सकते हैं।

क्या होगा असर- सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभिन्न राज्य सरकारें जब अपने इस अधिकार का इस्तेमाल करने लगेंगी, तब उसका असर व्यवहार में किस तरह से सामने आएगा। इसका ठीक-ठीक अंदाजा तो तभी होगा, जब राज्य सरकारों के फैसले सामने आएंगे और लागू होने लगेंगे। फिर भी इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि विभिन्न राज्य अपनी जरूरतों के मुताबिक जो अतिरिक्त टैक्स लगाएंगे उससे तमाम खनिज पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी और इसका सीधा असर उन सभी उत्पादों की लागत पर पड़ेगा, जिनके उत्पादन में ये खनिज पदार्थ कच्चा माल के रूप में इस्तेमाल होते हैं। राज्यों में अलग-अलग टैक्स दरों के चलते इन पदार्थों की कीमतों में राष्ट्रीय स्तर पर तालमेल बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

संबंधों में संतुलन- अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून की व्याख्या करते हुए संविधान में निहित संघवाद की भावना को ध्यान में रखा है और राज्यों के अधिकारों को संरक्षित करने पर जोर दिया है। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उम्मीद की जानी चाहिए कि यह फैसला देश में केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को संतुलित करने में मददगार साबित होगा।

बजट देश की समृद्धि लोगों के निजी हितों का विशेष ध्यान

योगेश कु. गोयल

लोकसभा चुनाव से पहले इसी साल 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जुलाई में पूर्ण बजट में सरकार द्वारा विकसित भारत के लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा।

अंतरिम बजट में न तो आम आदमी के लिए राहत की कोई विशेष घोषणाएं हुई थी और न ही उन पर कोई बड़ा बोझ लादा गया था, लेकिन अंतरिम बजट में भी सरकार का मुख्य फोकस गरीबों और महिलाओं पर ही दिखा था। आम बजट में हर वर्ग के लिए कुछ-न-कुछ राहत देने का प्रयास किया गया है। वैसे, सरकार का फोकस गरीबों, महिलाओं, युवाओं और अन्नदाताओं पर दिखा है, साथ ही बजट में रोजगार के अवसर बढ़ाने का रोड़मैप भी पेश किया गया है। बजट में देश की समृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ लोगों के निजी हितों का भी विशेष ध्यान रखा गया है, साथ ही उन सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तारित करने की भी घोषणा की गई है, जो मौजूदा समय में लोगों के निजी हितों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर रही हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए इस वर्ष बजट आवंटन 1.52 लाख करोड़ रु पए है। बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो भारत की कुल जीडीपी का 3.4 प्रतिशत होगा।

वित्तमंत्री के अनुसार 2024-25 तक वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है और सरकार का लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाना है। बजट में आम लोगों से लेकर तमाम करदाता टैक्स स्लैब में कमी, स्टैंर्डड डिडक्शन बढ़ाने और 80सी के तहत मिलने वाली छूट को बढ़ाए जाने की आस लगाए हुए थे। और वित्तमंत्री ने उन्हें निराश भी नहीं किया। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार नई आयकर दरों से करदाताओं को कम से कम 17500 रुपए की बचत होगी।

वित्तमंत्री के मुताबिक नई कर व्यवस्था से सरकार को सात हजार करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान होगा, लेकिन इससे चार करोड़ वेतनभोगियों को लाभ होगा। विदेशी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर 40 प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत की गई है और आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा भी की गई है। हर तरह के स्टार्टअप्स के लिए एंजेल टैक्स हटाने का ऐलान किया गया है।

बजट में जिन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष रूप से फोकस किया गया है, उनमें रोजगार और कौशल, कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, शहरी विकास, बुनियादी ढांचा, ऊर्जा सुरक्षा, अगली पीढ़ी के सुधार, विनिर्माण और सेवाएं, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, नवाचार, अनुसंधान और विकास इत्यादि शामिल हैं। रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजट में युवाओं के लिए दो लाख करोड़ रु पए आवंटित किए गए हैं और युवाओं को रोजगार के लिए तीन प्रमुख योजनाओं पर काम करने का ऐलान भी किया है। सरकार 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्ननशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू करेगी, जिसमें 5000 रुपए प्रतिमाह इंटर्ननिशप भत्ता और 6000 रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी और प्रशिक्षण के दौरान होने वाले खर्च को कंपनी सीएसआर फंड से वहन करेगी।

वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना भी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले बजट की तुलना 32 प्रतिशत ज्यादा है। उत्पादन क्षेत्र में रोजगार सृजन को पहली बार कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ी योजना के माध्यम से प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य 50 लाख लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करना है। छात्रों को 7.5 लाख रुपए 'मॉडल स्किल लोन' का लाभ देने का ऐलान भी बजट में किया गया है, जिससे उन छात्रों को लाभ पहुंचेगा, जो पैसों के अभाव में पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते थे। उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए तक के लोन के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा भी बजट में है।

महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के आवंटन और मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 रुपए लाख रुपए की गई है। पीएम आवास योजना के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त घर बनाए जाएंगे, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में होंगे। विभिन्न क्षेत्रों के लिए की गई अन्य विशेष घोषणाओं में शहरी आवास योजना के लिए 10 लाख करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए, सड़क सम्पर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपए, बिहार में हाईवे के लिए 26 हजार करोड़ रुपए, अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए, 12 औद्योगिक पाकरे को मंजूरी इत्यादि शामिल हैं। आम आदमी को आम बजट में की गई घोषाओं से जहां कुछ राहत मिली है तो कुछ चीजें महंगी होने से उनकी जेब पर बोझ भी बढ़ेगा। हां, कैंसर से जुड़ी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और उपकरणों पर कस्टम ड्यूटी घटाने से इलाज कुछ सस्ता होने की उम्मीदें बढ़ी हैं।

बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए 1.48 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है, जो शिक्षा मंत्रालय को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा आवंटन है। 2023 में केंद्र सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को 112898.97 करोड़ रु पए आवंटित किए थे, वह भी उस समय तक का सबसे ज्यादा आवंटन था, लेकिन इस बार सरकार ने उस आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया है। बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 89287 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 88956 करोड़ रुपए के आवंटन से थोड़ा ही ज्यादा है। इसे और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही थी। दरअसल, वैश्विक मानकों के अनुसार किसी भी देश को स्वास्थ्य पर कम से कम 3 फीसद खर्च करना चाहिए, जबकि भारत में स्वास्थ्य पर करीब 1.3 फीसद ही खर्च हो पा रहा है। बहरहाल, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त आम आदमी के लिए सरकार ने बजट में कुछ बड़ी राहतों का जो पिटारा खोला है, उसे देखते हुए इस बजट को सभी वगरे को साधता संतुलित बजट कहा जा सकता है।

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रातः काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी व्रत का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथियां आने वाली हैं, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर स्थित बेतरतीब कोचिंग की सुध कब लेगा प्रशासन

बिलासपुर (समय दर्शन)। देश की राजधानी दिल्ली में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में भरा पानी तीन छात्रों की मौत के बाद बिलासपुर जिला प्रशासन नगर पालिका निगम बिलासपुर को सजक हो जाना चाहिए यही मौका है, की निगम क्षेत्र में स्थित तमाम कोचिंग सेंटर के एक बार जांच कर ली जाए। पुराना हाई कोर्ट के सामने दर्जन भर कोचिंग सेंटर संचालित है। जहां पर पीएससी, आईएएस से लेकर पटवारी, सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। एक-एक कोचिंग में सुबह 5:00 बजे से रात 11:00 बजे तक युवाओं की भीड़ लगी है। बिल्डिंग में लिफ्ट की क्षमता, सीढ़ी, प्रशाधन, अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकासी द्वार, पार्किंग स्टैंड, बेसमेंट जैसे दर्जनों यीशु कभी किसी ने वेरीफाई नहीं किया। मूल भवन किस उद्देश्य बना था और अब उसमें कोचिंग चल रही है। जानकारी रहती है कि जहां कल तक माल था अब कोचिंग है। कहीं नर्सिंग होम था आज कोचिंग है। किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किए बिना एक निरीक्षक और कर्मियों पर नोटिस तो होना ही चाहिए। क्योंकि मामला कोचिंग में पढ़ रहे 15 वर्ष के युवा से लेकर 35 वर्ष के बेरोजगार तक का है और इसमें से हजारों युवा राजनीतिक दलों के वोटर हैं।

186 शिकायतों में 47 का निराकरण, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में शुद्ध पानी की मांग, पार्षद निधि से लगेगा आरओ

रिसाली (समय दर्शन)। नेवई वार्ड 32 स्थित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पहुंचे मरीजों को आर. ओ. का पानी मिलेगा। नेवई स्थित जनसमस्या निवारण शिविर में नागरिकों ने शुद्ध पानी की मांग की थी। क्षेत्रीय पार्षद एवं स्वास्थ्य विभाग प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी ने नागरिको की इस मांग को पूरा करते हुए निर्देश दिए कि आर. ओ. पार्षद निधि से लगाया जाए। शिविर में इस मांग का निराकरण तत्काल किया गया। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्ग दर्शन में चल रहे जनसमस्या निवारण शिविर के दूसरे दिन लगभग 200 लोगों ने अलग-अलग मांग व शिकायत लेकर पहुंचे थे। शिविर में 186 शिकायतों में 47 का निराकरण कर शेष 139 आवेदनों को निराकरण करने संबंधित विभाग को सौंपा गया। नगर सुराज अभियान के तहत लगाए जा रहे शिविर में एमआईसी गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, पार्षद सुनंदा चंद्राकर, रमा साहू, विधि यादव, धर्मेन्द्र भगत, विधायक प्रतिनिधि के रूप में मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे, महामंत्री राजू जंघेल, अजीत चैधरी आदि उपस्थित थे।

पार्षद के आतिथ्य में गोदभराई- शिविर में गोदभराई व अन्न प्रसान्न का कार्यक्रम किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग रेडी टू ईट से बने पौष्टीक व्यंजन का स्टॉल भी लगाया था। शिविर में पार्षद सुनंदा चंद्राकर एवं रमा साहू ने दिव्या जोशी के बेटे अंकित जोशी का पहले खीर खिलाककर मुँह जुठाई कराया। बात में वंदना साहू पति प्रदीप की गोदभराई की।

आज शिविर स्टेशन मरोदा में- मंगलवार को जनसमस्या निवारण शिविर दुर्गा मंच मैदान स्टेशन मरोदा में लगाया जाएगा। इस शिविर में वार्ड-16 बी.आर.पी कालोनी, 17 शिव पारा, 18 एच.एस.सी.एल. कालोनी, 19 विजय चैक, 20 शंकर पारा एवं वार्ड 21 सूर्या नगर स्टेशन मरोदा के नागरिक समस्या मूलक आवेदन कर सकते है।

बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस बना रहा है छत्तीसगढ़ के किसानों को सशक्त

भिलाई। भारत की प्रमुख इंश्योरेंस कंपनी बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस, छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ 2024 सीज़न के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत फसलों के लिए बीमा की सुविधा प्रदान कर रही है. इस योजना के अंतर्गत बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगढ़- बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला - मानपुर - अम्बागढ़ चौकी सहित कई जिलों में कवरेज प्रदान की जा रही है. इसके तहत धान (सिंचाई और गैर-सिंचाई वाला), मक्का, काला चना, अरहर

दाल, हरी मूंग दाल, मूंगफली, सोयाबीन, कोडो, कुटकी और रागी जैसी विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए व्यापक बीमा प्रदान की जाएगी. इस पहल का उद्देश्य किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना, उनके नुकसानों को कम करना और कृषि क्षेत्र में नई पद्धतियों को बढ़ावा देना है.

यह घोषणा करते हुए, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस में कृषि बिज़नेस के प्रमुख श्री आशीष अग्रवाल ने कहा,बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस में, हम देश के प्रति किसानों के अनूठे योगदान का सम्मान करते हैं. एमएफबीवाई योजना एक अच्छी पहल है, जिसे कुदरती नुकसान से ज़रूरी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करके किसानों को सशक्त बनाने के लिए बनाया गया है. हमारी प्रतिबद्धता न केवल व्यापक कवरेज प्रदान करना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को पूरी प्रक्रिया के दौरान सही एवं पूरी जानकारी मिले और उनकी पूरी सहायता की जाए.

सर्व आदिवासी समाज जिला कार्यकारणी द्वारा विश्व आदिवासी दिवस पर आगामी होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा हेतु आवश्यक बैठक रखी गई

शंकर लहरे

बागबाहरा। (समय दर्शन)। इस बैठक में सर्व आदिवासी समाज द्वारा प्रकृति शक्ति बड़ादेव की महाआरती और जयकारा के साथ बैठक शुभारंभ की गई।

बैठक के दौरान आये हुए सभी अतिथीयों का हल्दी चावल से टीका लगा कर स्वागत किया गया। बैठक में चर्चा परिचर्चा के दौरान 9 अगस्त को विश्व आदिवासी बागबाहरा में सर्व सम्मति से मनाने का निर्णय लिया गया और इस बैठक में सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने कहा की शिक्षा तथा जाति प्रमाण में होने वाली समस्या व समाज की अन्य समस्यों का समाधान आप सभी के सहयोग से जरूर पुरा होगा।

समाज के समक्ष सर्व आदिवासी समाज जिला सचिव ने बताया की हम सब मिलकर चलें तो समाज निश्चित ही आगे बढ़ेगा। इस बैठक में समाज में युवाओं को जोड़ने तथा अपने अपने क्षेत्र में शिक्षा व स्वरोगार के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ना होगा,इस बैठक में जिला पदाधिकारीयों पुन: नवनिवार्चन हुआ,जिसमें जिले के पदाधिकारीयों समाज के प्रति बेहतर कार्यशैली को देखते हुए पुन: पूर्व पद सभी की सहमति से तीन साल के चुना गया ।जिसमें भीखम ठाकुर पुन: जिलाध्यक्ष बने उपाध्यक्ष शुभसिंग जगत,जिलासचिव एस पी ध्रुव,बने द्य सर्व आदिवासी समाज के सभी लोगों को हल्दी चावल का टिका लगाकर नवनियुक्त पदाधिकारीयों को बधाई दी गई द्य

इस बैठक में सरायपाली से उपाध्यक्ष क्षेत्रो सिदार,नरेश पोर्ते अध्यक्ष युवा प्रभाग गोंड समाज,विजय विशाल संवरा प्रदेश कार्यकारिणी,तुलाराम ठाकुर उपाध्यक्ष,एतवारू अध्यक्ष उंराव समाज,हेमसागर अध्यक्ष विंझवार समाज युवाप्रभाग,कौशल नेताम भुजिया समाज,मोतीलाल अध्यक्ष कमार समाज,जागेश्वर पोडेटी अध्यक्ष ध्रुव गोंड खल्लारी राज,बसंता ठाकुर केन्द्रीय अध्यक्ष 18 गढ़ गोंड महासभा व जिला पंचायत सदस्य बागबाहरा,यशवंत ठाकुर अध्यक्ष खल्लारी राज गोंड समाज,ईश्वर प्रसाद संचालक खडीया समाज,कौशल कुमार खैरवार अध्यक्ष कोड़ाकु समाज,ओंकार सिंह ठाकुर अध्यक्ष गोंड समाज द्वारतरा,रामबती ठाकुर महिला प्रभाग गोंड समाज,दीपक जगत जिलाध्यक्ष छग गोंडवाना संघ,पुरन सबर, मोहसिन ठाकुर, देवनारायण ठाकुर, संतोष कुमार खडीया,रूपेन्द्र मरई,उदय भानु सिंह,अजय ध्रुव(मीडीया प्रभारी), मुरली मरकाम, राजकुमार मरकाम,निलाम्बर नागेश, मोहर सिंह ठाकुर,केशव कुमार ठाकुर,बलीराम ठाकुर, लेखराम बरिहा,उत्तर कुमार बरिहा,कार्तिक बिंझवार,टोपेश मंडावी,विष्णु मांझी, अंजोर सिंह ध्रुव,चमरूधर जगत,बलराम ध्रुव,चन्द्रशेखर ध्रुव तथा इस आयोजन में जिला के सभी ब्लाक के पदाधिकारीयों तथा सभी आदिवासी समाज के प्रमुख लोग बैठक उपस्थित थे।

एक मुट्ठी दान, भगवान शंकर के नाम से प्राप्त जन सहयोग से बनेगा महाप्रसाद

- कांवर यात्रा की तैयारी पूर्णता की ओर, गांव-गांव से आएंगे शिवभक्त - जीतेन्द्र वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। बोल बम कांवर यात्रा समिति की बैठक रेस्ट हॉउस पाटन में बोल बम कांवर यात्रा के संयोजक जीतेंद्र वर्मा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस वर्ष कांवर यात्रा का आयोजन 12 अगस्त 2024 को किया जाएगा। बैठक में गांव-गांव से आए हुए सदस्यों व शिवभक्तो को आमंत्रण कार्ड एवं एक मुट्ठी दान के लिए थैला दिया गया।

कांवर यात्रा के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने बताया कि कांवर यात्रा की तैयारी पूर्णता: की ओर हैं। आज रेस्ट हॉउस पाटन में बैठक आयोजित कर सभी सदस्यों व शिवभक्तो को कांवर यात्रा में आमंत्रित करने करने के लिए आमंत्रण कार्ड दिया गया है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाप्रसाद गांव-गांव, घर घर से प्राप्त चावल से बनेगा। सर्व कल्याण की कामना को लेकर ठाकुराइन टोला में भगवान शंकर जी का जलाभिषेक रुद्राभिषेक कर सभी शिवभक्त आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। सभी शिवभक्तों भक्तिरस में डुबाने और शिवमय बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग सागर की भव्य प्रस्तुति होगी। भगवान महादेव की कृपा से हर वर्ष हमारा यह कांवर यात्रा और भव्य रुप लेता जा रहा हैं। बैठक को प्रमुख रुप से संतोष शर्मा जी, निक्की भाले जी, लोकमनी चंद्राकर जी, निशा सोनी जी ने सम्बोधित किया एवं आभार प्रदर्शन दामोदर चक्रधारी ने किया। वरिष्ठ पत्रकार श्री बलराम यादव जी, यशवंत साव जी की गरिमामयी उपस्थिति थी।

बैठक में बोल बम कांवर यात्रा पाटन क्षेत्र के पदाधिकारी विनोद साहू, नेतराम निषाद, निशा सोनी, डेरहा वर्मा, केशव बंछोर, केवल देवांगन, सागर सोनी, कुणाल शर्मा, मिलन देवांगन, प्रवीण मढ़रिया, देवानंद साहू, वासु वर्मा, माधव वर्मा, रोमनाथ वर्मा, मिलन देवांगन, पूणेंद्र सिन्हा, आदित्य सावर्णी, नीलेश वर्मा, नीलकंठ देवांगन, रानी बंछोर, हेमलता पटेल, भास्कर वर्मा, रमेश बंछोर, गोरेलाल श्रीवास, रोशन वर्मा, महेश लहरी, पालू साहू, ईश्वर यदु, अश्वनी यदु, गोकुल वर्मा, मनोज वर्मा, राजेन्द्र साहू, अमित वर्मा, कुणाल महिलांगे, गोपीचंद धरमगुड़ी, जीवन कोसरे, योगेश सोनी, रानी बंछोर, सीता देवांगन, चंद्रप्रकाश देवांगन, हरप्रसाद आडिल, नागेन्द्र कश्यप, द्रोण चन्द्राकर, मनेंद्र वैष्णव, अजय वैष्णव, डॉ. जीतु,गोकुल वर्मा, सुनील वर्मा, संतोष शर्मा, समीर बन्छोर, संदीप बंछोर, वीरेंद्र वर्मा, योगेंद्र शुक्ला, महेंद्र कुंभकार आदित्य सावर्णि, विक्रम निषाद, चोवाराम वर्मा, अजय वैष्णव, यमन मढ़रिया, शुभम सोनवानी, वेदप्रकाश वर्मा, चिरंजीव देवांगन, सीता देवांगन, टिया देवांगन, अमित वर्मा, गावस्कर देवांगन, प्रकाश बिजौरा, सूरज वर्मा, नितेश तिवारी, विकास साहू,रमेश बंछोर, भूपेन्द्र धुरंधर, पुष्कर साहू,प्रिंसु महिलांगे, रोमनाथ साहू, कृष्णकांत वर्मा, लालजी साहू, लक्ष्मी पटेल, हिरेन्द्र वर्मा, लेखराम साहू,राजू वर्मा सहित पदाधिकारी सदस्य व सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित थे।

नव नियुक्त अधिकारी/ कर्मचारी कल्याण संघ ने एक दिवसीय धरना कर निम्न मांगो को लेकर मुख्यमंत्री ने नाम कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

सारँगढ़ (समय दर्शन)। पूरा प्रदेश के नगरीय निकायों के नवनियुक्त अधिकारी/ कर्मचारी संघ ने आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है आज इसी तारतम्य में सारँगढ़ नगर पालिका के नवनियुक्त अधिकारी / कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा भारत माता चौक के सामने निम्न मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में कहा गया कि नगरीय निकायों में वेतन संबंधी समस्या हमेशा ही बना रहता है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग रायपुर के आदेशानुसार नगरीय निकायों में कार्यरत नियमित/प्लेसमेंट कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान अनिवार्य रूप से किये जाने के निर्देश है, किन्तु वर्तमान स्थिति में नगरीय निकायों में 01 से 02 माह का वेतन भुगतान लंबित है जिसके कारण निकाय के अधिकारी / कर्मचारी आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान है, बच्चों के स्कूल का फीस भी जमा नहीं किया जा सका है भूखे मरने की स्थिति निर्मित हो रही है। मुख्यमंत्री को इस पत्र के माध्यम से अवगत कराया जा रहा वर्तमान शासन द्वारा विधानसभा-2023 घोषणा पत्र में शासकीय कर्मचारियों को प्रत्येक माह का वेतन भुगतान किये जाने का उल्लेख उक्त घोषणा पत्र में शामिल था जिसके अनुरूप संघ की ओर से 2 मांग किया गया है।

1. नगरीय निकायों में प्रत्येक माह की 01 तारिख को वेतन सुनिश्चित किये जायें। भुगतान कि व्यवस्था किया जाए, 2. नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भांति शीघ्र ही पुरानी पेंशन योजना लागू किया जावे ।

झन कर इनकार, हमर सुनव सरकार : फेडरेशन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने लेकर रहिबो लेकर रहिबो,, मोदी की गारंटी लेकर रहिबो, अब नई सहिबो अब नई सहिबो मोदी की गारंटी लेकर रहिबो के नारे के साथ अगस्त क्रांति का ऐलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, जिला संरक्षक मुकुल साव, जिला अध्यक्ष पीआर झाड़े, पीएल साहू, जितेन्द्र बघेल, बृजभान सिन्हा, सीएल चंद्रवंशी, वीरेंद्र रंगारी, सोहन निषाद, अब्दुल कलीम खान, भूषण साव, स्वाति वर्मा, नवीन कुमार पांडे, उत्तम डड़सेना, देवचंद बंजारे, शिव प्रसाद जोशी, खोम लाल वर्मा, हेमंत पांडे, लीलाधर सेन, पुष्पेन्द्र साहू, संजीव मिश्रा, हेमंत दोदिलकर, श्रीमती संगीता ब्यौहरे, श्रीमती अभिषिक्ता फेंदियाल, सुधांशु सिंह, पायल देवांगन, वंदना पानसे, शिरीष कुमार पांडे, रमेश साहू, राजेश शर्मा, नरेश प्रसाद दुबे एवं रानी ऐश्वर्य सिंह ने बताया कि 6 अगस्त 24 को इंद्रावती भवन (संचालनालय) से महानदी भवन (मंत्रालय) तक दोपहर 2 बजे से मशाल रैली एवं मंत्रालय के सामने प्रदर्शन होगा। मशाल रैली में छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के घटक संगठनों के प्रांताध्यक्ष सहित प्रमुख पदाधिकारी, संभाग तथा जिला संयोजक सहित सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। फेडरेशन ने चार स्तरीय झन कर इनकार हमर सुनव सरकार आंदोलन का घोषणा किया है। प्रथम चरण में 6 अगस्त को इंद्रावती भवन से महानदी भवन तक मशाल रैली एवं प्रदर्शन, द्वितीय चरण में 20 से 30 अगस्त तक सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन, तृतीय चरण में 11 सितंबर को जिला-ब्लॉक-तहसीलों में मशाल रैली का आयोजन एवं चौथे चरण में 27 सितंबर को सामूहिक अवकाश लेकर जिलों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन होगा, यदि सरकार ने कर्मचारियों के हित को नजरअंदाज किया तो फेडरेशन अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लेने बाध्य होगा।

उन्होंने बताया कि मोदी की गारंटी भाजपा का घोषणा पत्र के अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता एरियर्स सहित 1 जनवरी 24 से महंगाई भत्ता में 4 प्रतिशत वृद्धि कर साथ 50 प्रतिशत डीए स्वीकृत करने, प्रदेश के कर्मचारियों को जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्तों के एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ खाते में जमा किये जाने, भाजपा घोषणा पत्र के अनुसार प्रदेश के शासकीय सेवकों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान देने, केन्द्र के समान गृह भाड़ा भत्ता, भाजपा घोषणा पत्र अनुसार अर्जित अवकाश नगदीकरण 240 दिन के स्थान पर 300 दिन देने का मुद्दा शामिल है।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा चित्रकोंडा पाइपलाइन गांवों में प्राथमिक विद्यालयों को डेस्क एवं बेंच का किया गया वितरण

इस पहल से प्राथमिक शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया कम्पनी के प्रोजेक्ट पढ़ेगा भारत के तहत् चित्रकोंडा के पाइपलाइन कॉरिडोर में स्थित प्राथमिक विद्यालयों को शिक्षा में सुधार और छात्रों के लिए बेहतर पढ़ाई का वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से 40 नई डेस्क और बेंच का वितरण किया गया। इस पहल के अंतर्गत कादोगुमा और फूलपदर गांवों के स्कूलों को भी शामिल किया गया।

28 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में एएम/एनएस इंडिया के सीएसआर प्रमुख श्री नवीन अमंग, व्यवस्थापक श्री कृष्णा राव द्वारा शाला प्रबंधन को सरपंच, वार्ड सदस्य एवं अभिभावकों की उपस्थिति में डेस्क एवं बेंच प्रदान किया गया।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी रोजगार, स्पोर्ट्स, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक कल्याण एवं बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से कम्पनी की प्राथमिकता है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वे आरामदायक वातावरण में पढ़ाई कर सकें। साथ ही इन नई डेस्क और बेंच से बच्चों को बैठने और लिखने में सुविधा होगी, जिससे उनकी शिक्षा में सुधार लाया जा सकता है।

राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

महासमुंद में भूमि और फसल रिकॉर्ड अद्यतन के लिए जियो रेफ्रेंसिंग तकनीक का उपयोग

महासमुंद, (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में भूमि और फसल संबंधी रिकॉर्ड को अद्यतन करने के लिए जियो रेफ्रेंसिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत खसरा और नक्शा को वास्तविक रूप से मिलान करने के लिए मैप का सहारा लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) के अधिकारियों ने आज कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में राजस्व अधिकारियों के समक्ष ग्राम मुढ़ेना एवं नांदगांव की सीमा को लेकर पटवारियों की उपस्थिति में प्रायोगिक तौर पर सैटेलाईट भु नक्शा और भू अभिलेख नक्शा का परीक्षण किया गया। यह प्रशिक्षण राजस्व सचिव अविनाश चम्पावत, संचालक भू-अभिलेख रमेश शर्मा एवं कलेक्टर प्रभात मलिक की मौजूदगी में हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान राजस्व सचिव अविनाश चम्पावत ने बताया कि इस तकनीक से भूमि की सीमा और फसल संबंधी जानकारी को अधिक सटीकता से अद्यतन किया जा सकेगा। इससे भूमि विवादों को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने दो गांवों के सीमावर्ती क्षेत्रों का वास्तविक चिन्हांकन कर भुईयां एप्प में अद्यतन करने कहा। उन्होंने पटवारियों को ऐसे 15-20 अनडिस्पियूड ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंटस को मिलान करने कहा जो खसरा मैप और सेटेलाईट इमेज में समान रूप से मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड को डिजिटलीकरण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है।

संचालक लैंड रिकॉर्ड रमेश शर्मा ने कहा कि जियो-रेफ्रेंसिंग खसरा नक्शों में खसरा नंबर मूल पटवारी नक्शों से मिलान कर, प्रत्येक खसरा के रिकॉर्ड एरिया एवं जीआईएस एरिया का मिलान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जियो रेफ्रेंसिंग तकनीक से भूमि रिकॉर्ड को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जा सकेगा, जिससे किसानों और अन्य संबंधित पक्षों को लाभ होगा।

कलेक्टर प्रभात मलिक ने कहा कि जियो रेफ्रेंसिंग तकनीक के उपयोग से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और रिकॉर्ड अद्यतन की प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाया जा सकेगा। जिले में इस दिशा में निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण सत्र में जिले के सभी प्रमुख राजस्व अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने इस नई तकनीक के उपयोग और उसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर एडिशनल आयुक्त लैंड रिकॉर्ड संतोष देवांगन, डिप्टी एडिशनल आयुक्त लैंड रिकॉर्ड मधु हर्ष, चिप्स के अधिकारी संदीप टेकारिया, हरीश सिन्हा, अनुविभागीय अधिकारी उमेश साहू, डिप्टी कलेक्टर सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार और आरआई, पटवारी मौजूद थे।

खबर-खास

अमित अग्रवाल ने 17वें हुंडई इंडिया कॉउचर वीक में एंटेवोरटा का किया अनावरण

नईदिल्ली। अनावरण किया हमेशा जन्म के समय मौजूद रहने वाली भविष्य की रोमन देवी से प्रेरित एंटेवोरटा समय और ब्रह्मांड के बीच सदाबहार संबंध का प्रतीक है इसका कलेक्शन दार्शनिक, पौराणिक, धार्मिक, वैज्ञानिक एवं ब्रह्मांड संबंधी प्रभावों को एक लौकिक कथा के रूप में पिरोता ह। एंटेवोरटा पांच विशिष्ट पहचानों के माध्यम से 'समय' की खोज है। इसका कलेक्शन में नए टेक्सटाईल एवं तकनीकों को पेश किया गया है, जो ब्राण्ड के सिगनेचर स्टाइल एवं दृष्टिकोण के साथ सही मायनों में बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हैं। 'हमारे परिधानों की रेंज पारम्परिक फैशन की सीमाओं के परे मानवता के मूल सार को गहराई से दर्शाती है। समय को पांच अलग किंतु एक दूसरे से जुड़े पहलुओं के रूप में देखते हुए, हम फैशन के दायरे से आगे बढ़कर अपना कलेक्शन लेकर आते हैं। हम अपने पार्टनर्स- लैंसकार्ट, नाईन वेस्ट, लोटस मेकअप और इसवारी- के योगदान के लिए उनके आभारी हैं, जिन्होंने इस शो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।' श्री अमित अग्रवाल ने कहा। एंटेवोरटा पांच अलग पहचानों के माध्यम से समय की अवधारणा की खोज है, इनमें से हर पहचान एक विशेष परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करती हैं। ये पहचानें समय को-क्षणभंगुर क्षणों से लेकर शाश्वत चक्रों तक और जादूगर की भूमिका से लेकर संतुलन के केन्द्र तक- विविध तरीकों में प्रस्तुत करती हैं। इस कलेक्शन में आधुनिक टेक्सटाईल एवं तकनीकों को ब्राण्ड के अनूठे स्टाइल के साथ पेश किया गया है, जो सही मायनों में विशिष्ट और मन को छू जाने वाला है। इन विभिन्न लौकिक अनुभवों के साथ एंटेवोरटा का उद्देश्य तकनीकी इनोवेशन को दर्शाना तथा समय की प्रकृति पर भावनात्मक एवं दार्शनिक अभिव्यक्ति को स्पष्ट करना है।

द सॉलिटेयर्स फेस्टिवल ऑफ इंडिया के लिए डिवाइन सॉलिटेयर्स ने अभिनेत्री वाणी कपूर के साथ मिलाया हाथ

मुंबई: डायमंड सॉलिटेयर ज्वैलरी का एक प्रमुख ब्रांड, डिवाइन सॉलिटेयर्स अगस्त के फीके महीने में कुछ चमक बिखेरने के साथ-साथ आने वाले त्यौहारों और शादियों के मौसम की धमाकेदार शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब यह ब्रांड 2024 में लगातार तीसरे साल द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया (TSFI) के साथ भारत में डायमंड सॉलिटेयर के प्रचार-प्रसार के लिए सबसे बड़े आयोजन की शुरुआत करने जा रहा है— और इस बार अभिनेत्री वाणी कपूर ब्रांड एंबेसडर होंगी! वॉर, शुद्ध देसी रोमांस और बेफिक्रे जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अदाकारा, वाणी कपूर की मौजूदगी से इस साल का यह कार्यक्रम कामयाबी का परचम लहराने वाला है। वाणी अपने साथ स्टार मैजिक का तड़का लेकर आई हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 8 मिलियन है। इसमें ज्यादातर भारत के सशक्त युवा शामिल हैं, जो इस साल के कैंपेन को चर्चा का विषय बना देंगे। हर साल आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल, इस बार 1 से 31 अगस्त के दौरान 200 से ज्यादा पार्टनर ज्वैलर्स स्टोर्स और https://shop.divinesolitaires.com पर जारी रहेगा, जिसमें भारत के कुछ बेहतरीन हीरा आभूषण निर्माताओं के सॉलिटेयर कलेक्शन पेश किए जाएँगे।

खराब सड़क से परेशान ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर दफ्तर, दिया ज्ञापन, कहा नही बनी सड़क तो करेगे चक्का जाम

योगेश कुर्रे

बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। बिलाईगढ़ क्षेत्रवासी द्वारा लगातार सड़क मरम्मत को लेकर गांव से जिला कलेक्टेड की ओर रुख कर रहा है आखिर क्या वजह है जिसे लेकर ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लेकर असन्तोष जाहिर कर कर रहे बिलाईगढ़ विकासखंड के नवीन ग्राम पंचायत नावापारा के आश्रित ग्राम देवरहा का मामला है जहां पर पक्की सड़क जैसे अन्य मुलभुत सुविधाएं से वंचित है गाँव से पक्की सड़क ना होने के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, उसके साथ ही स्कूली बच्चे को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है, ऐसे हालात में गाँव में किसी की स्वास्थ्य में समस्या हो जाने पर गाँव में एम्बुलेंस तक नहीं पहुँच पाता है जिससे गर्भवती महिलाओं को और सबसे ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसे लेकर आज कलेक्टर जन दर्शन में सैकड़ो ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री सड़क योजना में सड़क को स्वीकृती के लिए कलेक्टर से गुहार लगाई।

ग्रामीणों के कहा कि पूर्व विधायक चन्द्रदेव राय व सरपंच सचिव को बोलते बोलते थक चुके है सड़क को लेकर किसी ने कोई संज्ञान नही लिया और अंतत: हमे कलेक्टर साहब से निवेदन किया है जल्द सड़क निर्माण करवा दीजिये आगे कहा कि ग्राम हरदी से देवरहा पहुंच मार्ग और देवरहा से धनगांव साथ ही अभी तत्कालीन प्रभाव से सरपंच सचिव को आदेश कर थोड़ा बहुत मुरुम मिट्टी डालवा कर सड़क की मरम्मत कराने की आदेश कर देवे ताकि आने जाने में थोड़ा बहुत सुविधा मिल जाये।

ग्रामीणों में शासन प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोशित नजर आए- देवरहा ग्राम निवासी सरकार और शासन के खिलाफ काफी आक्रोशित नजर आए कलेक्टेड परिसर में मुख्यमंत्री और कलेक्टर के हाय हाय के नारे लगाए ग्रामीणों का कहना है आज देश 76 वी वर्ष आजादी के अमृत उत्सव मनाया जा रहा है और आये दिन विकसित राज्य कहा जा रहा है किंतु बिलाईगढ़ क्षेत्र की इस गाँव की विकास ने सबकी पोल खोल के रख दिया एक पक्की सड़क नही होने से नाराज है और आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा आगामी 10 दिनों में सड़क की हालत नही सुधरती है तो मेन सड़क गिरसा में सड़क जाम कर उग्रआंदोलन करेंगे जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही शासन प्रशासन की होगी।

पंडरिया विधायक की निष्क्रियता एवं भ्रष्टाचार से पंडरिया के गन्ना किसानों को 12 करोड़ रुपए का नुकसान- नीलू

नुकसान की भरपाई नहीं करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

कवर्धा (समय दर्शन)। सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना पंडरिया के गन्ना रिकवरी दर में शक्कर मिल के एमडी एवं विधायक पंडरिया की मिली भगत के कारण कमी आने का आरोप कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष नीलू चंद्रवंशी ने लगाया है। किसानों के नुकसान की भरपाई विधायक व एमडी द्वारा नहीं करने पर उन्होने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

पूर्व जिलाध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने कहा है कि पिछले वर्ष 270582 मैट्रिक टन पेराई हुआ था जबकि इस वर्ष गन्ना पेराई 313000 मैट्रिक टन हुआ है। यानि इस वर्ष 42418 मैट्रिक टन अधिक पेराई हुआ है और रिकवरी दर में भी बढ़ोतरी हुआ है। पिछले वर्ष 2022-23 में रिकवरी दर 13.15 प्रतिशत आया था और इस वर्ष 2023-24 मे रिकवरी दर बढ़ोतरी होकर लगभग 14 प्रतिशत आया है लेकिन पंडरिया विधायक और पंडरिया शक्कर मिल के एमडी ने मिली भगत कर इस वर्ष की रिकवरी दर 12.78 प्रतिशत बता रहे हैं जो कि गलत है। इस कारण पंडरिया के किसानों को प्रति क्विंटल 38 रुपए कम मिल रहा है, जिससे किसानों को 12 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। इसका जिम्मेदार शक्कर मिल के एमडी सतीश पाटले एवं पंडरिया विधायक का भ्रष्टाचार है। ये दोनों मिलकर पंडरिया के किसानो का भारी नुकसान किया है। पंडरिया शक्कर कारखाना मे ये दोनों ने मिली भगत कर भ्रष्टाचार करने के लिए बहुत सारे काम करने वाले ईमानदार कर्मचारी एवं प्लेसमेंट ठेकेदार को बिना कारण बताए नौकरी से निकाल दिए है क्योंकि ईमानदार कर्मचारी के मिल मे रहने से ये दोनों भ्रष्टाचारी एमडी एवं विधायक भ्रष्टाचार नहीं कर पाते इसलिए बहुत सारे लोगों को बिना कारण बताए मिल से निकाल दिए हैं और अपने चहेते को भ्रष्टाचार करने के लिए मिल में नए लोगों को नौकरी में रखे हैं।

पिछले 15 साल के डॉ रमन की सरकार में 15 साल किसानों को एक रुपए भी रिकवरी दर की राशि नहीं मिली थी। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने किसानों की रकवरी दर की राशि भ्रष्टाचार कर डकार जाते थे। जबकि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों को गन्ना रिकवरी दर की राशि पूरा पांच साल मिला है। वहीं 15 साल भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसानों को रिकवरी राशि क्यों नहीं मिला और इस वर्ष 2023-24 मे रिकवरी दर कम क्यों हुआ। कवर्धा जिला के किसान जवाब मांग रहे हैं।

आश्रम – छात्रावासों में बच्चों के रहने पढ़ने का बेहतर माहौल करें सुनिश्चित – कलेक्टर अग्रवाल

परिसर में सफाई सफाई, बच्चों का स्वास्थ्य जांच एवं गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्रियों का करें उपयोग

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के आश्रम एवं छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली।उन्होंने आश्रम छात्रावासों में बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए उनके रहने और पढ़ने का बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधीक्षकों को छात्रावास में स्वयं सभ्य, मृदुशील एवं आकर्षक व्यक्तित्व के साथ रहने के निर्देश दिए,जिससे बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बच्चे सभ्य जीवन शैली के लिए प्रेरित होंगे।उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अधीक्षकगण समर्पित भाव से रूचि लेकर कार्य करें।समय सारणी बनाकर उनका अनुपालन सुनिश्चित करवाएं।कलेक्टर ने कहा की आदर्श छात्रावास के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रावास को 26 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने सभी सुविधाओं को बेहतर कर आदर्श छात्रावास प्रतियोगिता में शामिल होने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि छात्रावास में सफाई सफाई व्यवस्था बनाएं रखे। सभी कमरों के अलावा परिसर को भी स्वच्छ रखे। बरसात के मौसम के मद्देनजर परिसर में जल भराव न होने दे। जिससे मच्छर, मक्खी एवं गंदगी का खतरा नहीं रहेगा।मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं आवश्यकतानुसार मलेरिया जांच एवं दवाइयों का वितरण कराएं।साथ ही छात्रावासों में गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्रियों का उपयोग करें। कलेक्टर ने खाद्य पदार्थों का व्यवस्थित भंडारण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग नवीन भगत सहित सहायक संचालक,मंडल संयोजक एवं आश्रम छात्रावासों के अधीक्षक गण मौजूद रहे।बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बेहतर विकास के लिए छात्रावासों में शासन द्वारा सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने अधीक्षकों से छात्रावास में पर्याप्त भवन, बिजली, पानी, शौचालय, भोजन, बेड,गद्दा एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की जानकारी ली। एलउन्होंने बच्चों को मीनु के अनुसार ताजा और गरम भोजन देने के लिए कहा।इसके अलावा छात्रावास आश्रमों के रखरखाव,शिष्यवृत्ति,खाद्यान्न भंडारण एवं रखरखाव के संबंध में जानकारी लेकर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी कन्या आश्रमों में सुरक्षा की दृष्टि से महिला सुरक्षा कर्मचारी की नियुक्ति,चौकीदार एवं अहाता निर्माण की जानकारी ली।उन्होंने भवनों की स्थिति,मरम्मत की आवश्यकता एवं रंग रोगन की जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्रावास परिसर में जर्जर भवनों का उपयोग नही करने एवं नियमानुसार उन्हें डिस्मेंटल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास में पढ़ाई लिखाई के साथ खेलकूद एवं अन्य उपयोगी गतिविधियों की सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली।साथ ही परिसर के खाली जगहों पर वृक्षारोपण एवं बागवानी अंतर्गत फलदार पौधों का रोपण करने के निर्देश दिए।

स्कूल जतन योजना के अंतर्गत अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र करें पूर्ण : कलेक्टर श्री अग्रवाल

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।उन्होंने स्कूल जतन योजना के अंतर्गत चल रहे धीमें निर्माण कार्यों पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए निर्माण कार्यों को 15 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के निर्माण कार्यों को राज्य शासन द्वारा भी लगातार समीक्षा की जा रही है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्कूलों की मरम्मत,रंगाई पुताई तथा अतिरिक्त कमरों के निर्माण के प्रगतिरत कार्यों को प्रतिदिन निरीक्षण करने के निर्देश दिये।जिससे कि कार्यों में तेजी लाया जा सके।उन्होंने निर्माण एजेंसियों को कहा कि निर्माण कार्य के पूर्ण होने के उपरांत ही ठेकेदारों को संपूर्ण राशि जारी करें।जिन जिन स्कूलों में निर्माण कार्य चल रहा है ऐसे स्कूलों का थर्ड पार्टी के साथ निरीक्षण करायें और इसका प्रतिवेदन तीन दिवस के भीतर कार्यालय को अवश्य रुप से उपलब्ध कराये।निर्माण कार्यों का सतत मॉनिटरिंग करायें।जिन स्कूलों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है उसका पूर्णता प्रमाण पत्र भी जारी करें।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए । इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग करते रहें। निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण कार्यों में कोई परेशानी आती है तो उसकी जानकारी साझा करें। जिससे संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के माध्यम से दूर किया जायेगा।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत जिन स्कूलों में मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए राशि जारी की गई है। ऐसे स्कूलों में राशि की कमी पड़ रहीं हो तो उसका निरीक्षण करें।सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूर्ण करायें।इंजीनियर एवं सब-इंजीनियर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने जाते है तो उसका अपडेट फोटोग्राफव्हाट्सअप ग्रुप पर भी भेजें। उन्होंने इंजीनियर एवं सब- इंजीनियर को अनुविभागवार पिछले छह माह में जितने भी कार्य पूर्ण किये गये है उसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है।

// न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) //

//सूचना//

रा.प्र.क्र. 202405100600030-अ/74 वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी बृजेश शर्मा पिता स्व. मनहरण लाल शर्मा, रत्नेश शर्मा पिता स्व. रामसनेही शर्मा निवासी ग्राम सोनपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग विरुद्ध राजेश जैन पिता तुलसी चंद जैन निवासी ग्राम पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा ग्राम पाटन प.ह.न. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 797, 796 रकबा क्रमशः 0.76, 0.76 हे. भूमि के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन के संबंध में तहसीलदार पाटन के रा.प्र.क्र. 202201100900124-अ/74 वर्ष 2021-22 में पारित आदेश दिनाक 21.10.2022 से क्षुब्ध होकर यह अपील प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में इस न्यायालय के अपील प्रकरण क्रमांक 202405100600030-अ/74 वर्ष 2023-24 प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही हेतु प्रकरण लंबित है।

अतः इस प्रकरण से संबंधित व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि वह स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 08.08.2024 को उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात उपस्थित होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन जिला दुर्ग

कारगिल विजय दिवस पर देशप्रेम से ओतप्रोत डॉ सुरेन्द्र दुबे की कविताओं के बीच गूंजा भारतमाता की जय और वंदेमातरम....

कवर्धा (समय दर्शन)। कारगिल विजय दिवस की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा मोर्चा कबीरधाम जिला अध्यक्ष मनीराम साहू के नेतृत्व में विविध कार्यक्रम हुए। जिसमें भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान, कस्तूरबा आवासीय बालिका स्कूल के बच्चों द्वारा देशप्रेम से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। इसी मंच से पद्मभूषण डॉ सुरेंद्र दुबे, अभिषेक पांडेय एवं अन्य कवियों ने वीर रस से परिपूर्ण रचनाएं पढ़कर देशप्रेम की सरिता प्रवाहित करते रहे।

भारतमाता चौक पर स्थित वीरसावरकर भवन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि पद्मश्री से सम्मानित डॉ. सुरेंद्र दुबे थे, वहीं वीर रस के कवियों में देवेंद्र परिहार, सुनील शर्मा व अभिषेक पाण्डेय ने भी युवा कवियों का शौर्य भरा कविताएं प्रस्तुत की। इससे पूर्व देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण का न्यौछावर करने वाले शहीद सैनिकों के परिजन व भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। वहीं कस्तूरबा कन्या स्कूल के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति दी, जो देशप्रेम से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर कवर्धा शहर में 8 हजार पौधे लगा चुके हरीतिमा टीम और जिले में हर जरूरतमंद को आवश्यकता के अनुरूप समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए समर्पित नवजीवन रक्त दान समूह का सम्मान भी किया गया। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनीराम साहू ने बताया कि इस सम्मान समारोह के अतिथि के रूप अशोक साहू जिला अध्यक्ष भाजपा, डॉ. सियाराम साहू पूर्व विधायक, रामकुमार भट्ट, संतोष पटेल, नितेश अग्रवाल, मनहरण कौशिक, दिनेश चंद्रवंशी, जसविंदर बग्गा सहित अनेक पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला अध्यक्ष मानीराम साहू की अगुवाई में एक दिन पहले ही मशाल रैली एवं 108 फीट लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। यह तिरंगा यात्रा भी भारत माता चौक वीर सावरकर भवन से निकल कर शहर भ्रमण करते हुए सिग्नल चौक में शहीदों के प्रतिमा में पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण के साथ संपन्न हुआ था।

संक्षिप्त-खबर

इको क्लब दिवस पर छात्रों को पहाड़ी का कराया गया भ्रमण

एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारम्भ

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। शिक्षा सप्ताह के तहत 27 जुलाई को शासकीय हाई एवं मिडिल स्कूल रोहिना में इको क्लब दिवस मनाया गया। प्रधान पाठक टीआर पटेल के मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत करते हुए पौधारोपण भी किया गया। इस दिन को यादगार बनाने के लिए नौवीं के छात्रों को न सिर्फ इको सिस्टम से परिचय कराया बल्कि प्राकृतिक दृश्य एवं भू आकृतियों का भी अवलोकन कराया गया। व्याख्याता कमलेश साहू ने बताया कि स्कूल पीछे स्थित पहाड़ी का प्राकृतिक सौंदर्य बरसात के दिनों देखते ही बनता है। इस पहाड़ी को चढ़कर छात्र जिस दृश्य को देखा उससे नर्मदा का उद्गम अमरकंटक का प्राकृतिक दृश्य मानस पटल पर उभरने लगा। आज छात्र न सिर्फपर्वतारोहण का अनुभव प्राप्त किया बल्कि ढाल, कगार, खड्ड जैसे कई भौगोलिक भू आकृतियों से भी अवगत हुए। झरना, कुंड, घाटी, चट्टानों की बनावट, अपरदन एवं निक्षेपण की क्रियाओं को करीब से देख कर रोमांचित हुए। आज छात्रों ने बादल को करीब से घिरते हुए देखा। पहाड़ी से उतरने के बाद स्कूल परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुवात करते हुए पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य एके जायसवाल, व्याख्याता केके साहू, शिक्षक एके पटेल, एसके पटेल, के कमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में 6 और नए नये आंगनबाड़ी भवनों की दी स्वीकृति

वनांचल क्षेत्रों में नये भवन बनने से बच्चों को पढ़ाई में होगी सहुलियत

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के गांवों में आंगनबाड़ी भवनों की समस्या को दूर करने 6 और नए आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति दी है।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कुछ दिन पहले 34 नए आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति दी थी।अब 6 नए भवनों की स्वीकृति के साथ जिले में कुल 40 नए आंगनबाड़ी भवन बनेंगे।इसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र राजिम के 13 और वनांचल क्षेत्र बिंद्रानवागढ़ के 27 नए आंगनबाड़ी भवन शामिल है।नये आंगनबाड़ी भवन बनने से छोटे बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास तथा पढ़ाई लिखाई में भी सहायक होगी।साथ ही भवनों की समस्याओं से भी निजात मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व कुछ गांव के ग्रामीणों ने गांव में नये आंगनबाड़ी भवन एवं जर्जर भवनों के बदले नये निर्माण की मांग को जिला प्रशासन को अवगत कराया था। छोटे बच्चों के भविष्य एवं पढ़ाई-लिखाई की बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए नये भवनों की स्वीकृति दी है। साथ ही कलेक्टर श्री अग्रवाल ने नये आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कर निर्धारित समय-सीमा अंतर्गत कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश भी दिये है। 40 नये स्वीकृत नये भवन मनरेगा अभिसरण, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं 15वें वित्त आयोग के समन्वय से निर्मित किया जायेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि नये आंगनबाड़ी भवनों के लिए प्रति भवन 11 लाख 69 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस राशि में से मनरेगा अभिसरण से 8 लाख रूपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रूपये एवं 15वें वित्त आयोग या अन्य मद से 1 लाख 69 हजार रूपये समन्वय किया गया है।उन्होंने बताया कि नये स्वीकृत भवनों में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई एवं खेलकूद तथा बौद्धिक-मानसिक विकास के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जायेगी। जिससे बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल मिलेगा।

रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी की पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

- मनमोहिनी दीदी जी का जीवन अत्यन्त आदर्श और प्रेरणादायी था...ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी

बसना(समय दर्शन)। बसना स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी जी की पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। साईं विहार बसना स्थित मानव कल्याण भवन सेन्टर में एक सादे समारोह में ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर बसना संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने मनमोहिनी दीदी जी के जीवन से सम्बन्धित संस्मरण सुनाकर सभी को उनके द्वारा बतलाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बतलाया कि मनमोहिनी दीदी जी वात्सल्य की मूर्ति होने के साथ ही अनेक दैवी गुणों से सम्पन्न थी। उनका जीवन अत्यन्त आदर्श और प्रेरणादायी था । ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी ने 28 जुलाई 1983 को अपने पार्थिव शरीर का त्याग किया था।

सभा में पहले ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी की पुण्य स्मृति में परमपिता परमात्मा शिवबाबा को भोग स्वीकार कराया गया जिसे बाद में सभा में उपस्थित सभी लोगों में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस दौरान उनके प्रवचनों से लिए गए प्रेरणादायक स्लोगन को सभी साधकों को अलग-अलग वरदान के रूप में प्रदान किया गया, जिसे प्राप्त कर सभी ने प्राप्त वरदान के अनुरूप पुरूषार्थ कर स्वयं को ढालने का सकंल्प किया। सभा में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी, यमुना दीदी, हेमराज भाई , जितेंद्र सेठ ,कुलदीप , सदानंद , दुकालू भाई ,प्रवीण भाई , संयोगिता बहन सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

न्यू आदर्शनगर की सड़कों की हालत बदहाल

- लोगों का पार्षद के खिलाफ बढ़ा आक्रोश

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम क्षेत्र के 60 वार्डों में से अधिकांश वार्डों में इन दिनों लाखों-करोड़ों के सीसी रोड व अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन व शिलान्यास किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद कई वार्ड अभी भी विकास कार्यों से अछूते है। इनमें से एक वार्ड न्यू आदर्शनगर पोटियाकला वार्ड-53 है। वार्ड अंतर्गत आने वाले क्षेत्र सड़क नंबर 11 की सड़कों की हालत बदहाल है। जहां से गुजरना दुर्घटना को न्यौता देने के सामान है। सड़कों की दयनीय स्थिति से क्षेत्र के लोग परेशान है। शिकायत के बावजूद नगर निगम प्रशासन समस्या की अनदेखी कर रहा है, वहीं पार्षद का भी इस ओर ध्यान नहीं है। जिसके चलते नाराज क्षेत्रवासियों ने नगर निगम पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया है। वार्डवासियों ने बताया है कि न्यू आदर्शनगर वार्ड क्रमांक-53 अंतर्गत आने वाला यह क्षेत्र पिछले पांच वर्षो से नगर निगम की उपेक्षा का शिकार है। वार्ड के पार्षद अजय वर्मा नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष के पद को सुशोभित करते है। बावजूद सड़क नंबर 11 में सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है। लोग थोड़ी सी बारिश में इन सड़कों में आने-जाने से डरते है।

सड़कों के कीचड़ व गड्ढों में रोज महिलाएं, स्कूल कॉलेज आने जाने वाले छात्र-छात्राएं गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। इन सड़कों को सीसी सीमेंटीकरण कराने के लिए वार्ड पार्षद को कई बार मौखिक व आवेदन देकर निवेदन किया जा चुका है। बावजूद पार्षद द्वारा समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। जिसकी वजह से क्षेत्र की सड़कों की स्थिति बदहाल हो गई है। न्यू आदर्शनगर सड़क नंबर 11 के नागरिकों का कहना है कि अगर हाल-फिलहाल में सीसी रोड निर्माण संभव नही है, तो कम से कम डस्ट व मुरुम डलवाकर सड़कों का संधारण किया जाए, ताकि बरसात में क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानियों का सामना न करना पड़े। क्षेत्र के निवासियों ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा है कि नगर निगम प्रशासन या पार्षद जल्द ही क्षेत्रवासियों की इन समस्याओं का समाधान नहीं करवाती है, तो क्षेत्रवासी निगम चुनाव का बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य जीवन का आधार –डॉ.सम्पत अग्रवाल

- बसना विधायक के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में क्षेत्र चहुंमुखी विकास की ओर गतिमान

बसना(समय दर्शन)। जनता की समस्याओं पर समुचित समाधान हो इसके लिए निरंतर प्रयास और पहल जारी है। साँकरा विधायक कार्यालय के निज सहायक नरेन्द्र बोरे कार्यालय की गतिविधियों के संचालन के साथ ही क्षेत्र की जन मानस से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निदान हेतु बसना के लोकप्रिय विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी दूरस्थ ग्रामों व क्षेत्र का समय समय पर दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य,राजस्व, सडक ,बिजली,पानी जैसे जनहित की समस्याओं की निराकरण के लिए सतत लोगों से फीड बैक ले रहे हैं ।

आज इसी कड़ी में क्षेत्र के ग्राम पंचायत सागुनढ़ाप पहुंचकर उपस्वास्थ्य केंद्र,विद्यालय,उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण करते हुए उपस्थित कर्मचारी स्टाफ से विस्तारपूर्वक चर्चा की।बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए हमेशा सेवाभावना के साथ कार्य करने छत्तीसगढ़ शासन व माननीय बसना विधायक महोदय के सपनो को पूरा करने क्षेत्र की उन्नति हेतु तथा समस्याओं के निदान के लिए विभागीय कर्मचारियों से विस्तृत चर्चा की गयी । साथ ही परसवानी मार्ग की जर्जरता ,गड्ढों के कारण हो रही दुर्घटनाओं को लेकर एसडीओ पीडब्ल्यूडी से चर्चा कर ठीक करने आग्रह किया। जिस पर एसडीओ ने अविलंब डब्ल्यू बी एम के तहत सड़क ठीक की बात कही।आगामी समय में बजट में सम्मिलित सड़क के चौड़ीकरण प्रशासकीय स्वीकृति पश्चात शीघ्र कार्य प्रारंभ करने की बात कही गई।स्कूली बच्चों और शिक्षकों से भी विस्तृत चर्चा हुई।

शीत गुप्ता भारत स्काउट एवं गाइड्स संघ बसना के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

बसना (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइडस् जिला महासमुन्द स्थानीय संघ बसना का निर्वाचन 2024 जिला कार्यालय निर्देशानुसार जिला पर्यवेक्षक रामकुमार नायक, श्रीमती सुकांती नायक की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी विवेकानन्द दास,सहायक निर्वाचन अधिकारी गजानन्द भोई एवं अनिल सिंह साव के द्वारा निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराया गया।

जिसमें अध्यक्ष शीत गुप्ता,उपाध्यक्ष राजेश वाधवा, मोहित पटेल,कामेश बंजारा,श्रीमती मंजीत कौर,डॉ.अरुणा अग्रवाल, श्रीमती लोचना गजेन्द्र का नाम घोषित किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष शीत गुप्ता द्वारा स्थानीय संघ परिषद की गठन की गई। भारतीय स्काउट एवं गाइड संघ बसना के परिषद् एवं कार्यकारिणी का गठन में बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल संरक्षक के रुप में,पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट जे.आर.डहरिया विकास खंड शिक्षा अधिकारी बसना,पदेन सहायक जिला आयुक्त गाइड मनीषा ध्रुव, मुख्यालय आयुक्त के रूप में बद्री विशाल जोल्हे सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी बसना, सचिव विवेकानन्द दास,सहसचिव गजानंद भोई, संयुक्त सचिव सुश्री अन्नपूर्णा बुड़ेक, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह साव, सह कोषाध्यक्ष वारिश कुमार, आजीवन सदस्य प्रतिनिधि आनंद राम मदनानी, जशवंत सिंह सलूजा, रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव, हरजिंदर सिंह, श्रीमती रितु श्रीवास्तव, रजिंदर छाबड़ा, श्रीमती श्वेता अग्रवाल,सीमा जायसवाल, जिला स्काउट प्रतिनिधि के रूप में गिरीश गजेन्द्र,गजेन्द्र नायक, प्रेमचन्द साव, जिला गाइडर प्रतिनिधि के रूप में सुश्री ईश्वरी पोर्रे,रमाकांति दास,उर्मिला मिश्रा,एएलटी गिरीश कुमार पाढ़ी,प्रीएएलटी विवेकानंद दास, पूर्णानन्द मिश्रा,एच डब्ल्यू बी गाइड सविता सुमन मुन्ना,कुसुम कोटक, उर्वशी नेताम,एच डब्ल्यू बी स्काउट डिजेन्द्र कुर्रे, गोकुल नायक, नंदकुमार ध्रुव,विजय सिंह राजपूत,हरिराम साव, सालिकराम टण्डन एवं शंकर सिदार, मनीराम पटेल का चयन किया गया।इस अवसर पर शिक्षा विभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए विकास खंड स्रोत समन्वयक बसना पूर्णानन्द मिश्रा ने स्काउट एवं गाइड के विभिन्न गतिविधियों से छात्र – छात्राओं को होने वाले लाभ के बारे में बताया गया और स्थानीय संघ को बच्चों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित करने हेतु विभिन्न तैयारी करने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव विवेकानन्द दास द्वारा स्काउट एवं गाइड के उद्देश्यों एवं कर्तव्यों के बारे में बताया गया। स्काउटिंग गतिविधियों में भाग लेने से युवा लोगों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित कर सकते हैं,जो जीवन के सभी क्षेत्रों में उपयोगी साबित होते हैं।निर्वाचित अध्यक्ष शीत गुप्ता ने बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु मिलकर कार्य करने की बात करते हुए कहा कि स्काउट एवं गाइड्स से युवाओं को कई तरह के लाभ जिनमें व्यक्तित्व विकास,नेतृत्व विकास, सामुदायिक सेवा,आउटडोर शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है। कोषाध्यक्ष अनिल सिंह साव ने कहा कि समाज सेवा में योगदान देने के लिए स्काउटिंग महत्वपूर्ण होता है। स्काउटिंग से व्यक्तित्व का विकास कर अच्छा नागरिक और सफल व्यक्ति बन सकते हैं। जिला पर्यवेक्षक रामकुमार नायक एवं श्रीमती सुकांती नायक द्वारा स्काउटिंग के बारे में जानकारी दिया गया।निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

गढ़फुलझर मे शिक्षा सप्ताह का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला व उच्च प्राथमिक शाला गढ़फुलझर के द्वारा शिक्षा सप्ताह मनाया गया। राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत लागू होने के बाद 4 वर्ष पूर्ण होने पर अब वह शत प्रतिशत लागू हो चुका है ,बच्चो को इसका लाभ भी मिल रहा हैं। पूरा साप्ताहिक कार्यक्रम टीएलएम, एफ्एलएन , खेल कूद के माध्यम से ,संस्कृति कार्यक्रम, पर्यावरण , शाला समुदाय को जोड़ कर किया। गांव वाले भी बेहद खुश हुए । यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा बसना बीईओ जे आर डहरिया , बद्रीविशाल जोल्हे एबीईओ,शुक्ला सर, कंवर सर एबीइओ,बसना व आदरणीय पूर्णानंद मिश्रा बीआरसी सी,के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यकर्म में यग्यसेनी कुमार प्रधान पाठक, गोकुला नंद , शरण कुमार दास , पी आर डडसेना प्रधान पाठक,बसंत राणा ,नरेंद्र पटेल, जितेंद्र भोई श्रीमती बीना भारती कुर्रे रहे । कार्यकर्म के सफल मार्गदर्शन व संचालन शिक्षक शरण दास के द्वारा किया गया।

राज्य में न्यायालय से विधानसभा तक खुली, स्वास्थ्य विभाग की पोल

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का यह सत्र बेहद छोटा था। इस छोटे से सत्र में सबसे संवेदनशील मुद्दा जो मानव संसाधन को सीधा प्रभावित करता है, पर सरकार की कलाई दो तरह से खुली। पहला सीएजी रिपोर्ट जो सत्र के अंतिम दिन प्रस्तुत की गई जानबूझकर और 26 जुलाई को बिलासपुर जिला अस्पताल में अवस्था को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने शासन को कड़ी फटकार लगाई। यह एक स्वत: संज्ञान ली गई जनहित याचिका है। जिस पर 13 अगस्त को सुनवाई होनी है।

परंपरा अनुसार स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को हलफनामा प्रस्तुत करना है। स्वास्थ्य विभाग की बादहाली को उजागर करने वाली एक और जनहित याचिका छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस बिलासपुर के संदर्भ में भी है। यह बहुचर्चित जनहित याचिका में हाई कोर्ट के निर्देश पर विभाग के सचिव ने भी 15 दिन तक मेडिकल कॉलेज बिलासपुर में ड्यूटी बजाई पर मेडिकल कॉलेज बिलासपुर की व्यवस्था में वैसा सुधार नहीं हुआ जो अपेक्षित था। बिलासपुर में जो भी सरकारी संस्थान सीधे जनता से जुड़ा है उसे पर हाईकोर्ट की नजर रहती है फिर भी सरकारी व्यवस्था है कि सुधारने का नाम नहीं लेती। मामला केंद्र के संस्थान रेलवे का हो या हवाई जहाज का यहां तक की सड़कों पर भी जनहित याचिका लगी। सीवरेज के आर्थिक घोटाले पर तो हाई कोर्ट ने एक दर्जन से अधिक अधिकारियों के खिलाफ एफ्आईआर का आदेश दिया था नहीं हुई..... इस तरह बिलासपुर स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एक महिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा की गई वित्तीय अनियमितता पर जनहित याचिका में ही एफ्आईआर का आदेश था अधिकारी रिटायर हो चुके हैं अभी तक एफ्आईआर नहीं हुई। सीएजी की जो रिपोर्ट प्रस्तुत हुई है उसे रिपोर्ट में रमन सिंह सरकार और भूपेश बघेल सरकार दोनों कटघरे में खड़े होते हैं।

देश के तीन चौथाई जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टर के पद खाली पड़े हैं सीएचसी में स्पेशल डाक्टरों के तीन चौथाई पद खाली पड़े हैं। रायपुर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में नियमित कर्मचारियों के 280 पद में से मात्र 9 पद भरे गए 208 पर संविदा कर्मचारी भर दिए गए। आईसीयू में एक बिस्तर पर एक नर्स सच्चाई 20 बिस्तर पर एक नर्स। गैर आईसीयू वार्ड में तीन बिस्तर पर एक नर्स वास्तविकता 39 बिस्तर पर एक नर्स।

आयुर्वेद महाविद्यालय में डॉक्टर के 30 फ़ीसदी की कमी नर्स 60 फ़ीसदी कम जिले के 538 आयुर्वेद औषधालय में 130 पर कोई चिकित्सक नहीं इतने से ही समझ आता है कि छत्तीसगढ़ में मरीजों का इलाज बदहाल क्यों.... रिपोर्ट कहती है 50 करोड़ के उपकरण लगे ही नहीं पूरे प्रदेश में जितने भी दैनिक अखबार बड़े या छोटे प्रकाशित होते हैं उनमें ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर तक अस्पताल की सुप्रबंधन रोज समाचार बनता है। ?400 से लेकर ?5000 तक की रिश्वत आम बात है। मरीज इसेचड़होत्री मानते हैं यही सच्चाई है। खबर तो यहां तक है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि इस विभाग के भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी या कर्मचारी से अपना हिस्सा नियमित करने के लिए दबाव बनाते हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26